

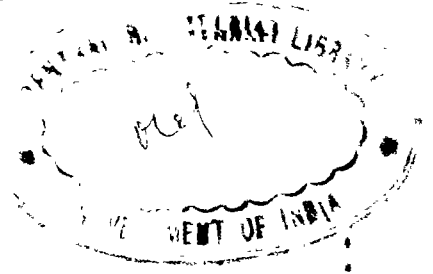


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 194]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 31, 2000/चैत्र 11, 1922

No. 194]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 2000/CHAITRA 11, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं० 28/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 288 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 19/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के प्रारंभिक पैरा के मद (II) के खंड (क) में,—

(i) उपखंड (i) में “प्रति चेम्बर, प्रति स्टैंटर” शब्दों के स्थान पर जहां-जहां वे आते हैं, “प्रति चेम्बर, प्रति स्टैंटर, प्रति मास” शब्द रखे जाएंगे;

(ii) उपखंड (ii) में “प्रति चेम्बर, प्रति स्टैंटर, प्रति माह” शब्दों के स्थान पर “प्रति चेम्बर, प्रतिमाह” शब्द रखे जाएंगे;

[फा० सं० बी-4/4/2000 टीआरयू]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

पाद टिप्पण :—मूल अधिसूचना सं० 19/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा०का०नि० 197(अ) तारीख 1 मार्च, 2000 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 28/2000-Central Excise

G.S.R. 288(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 3A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 19/2000-Central Excise, dated the 1st March, 2000, namely :—

In the said notification, in the opening paragraph, in item (II), in clause (a),-

- (i) in sub-clause (i), for the words "per chamber per stenter", the words "per chamber per stenter per month" shall be substituted;
- (ii) in sub-clause (ii), for the words "per chamber per stenter per month", the words "per chamber per month" shall be substituted.

[F. No. B-4/4/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

Foot Note :—The principal notification No. 19/2000-Central Excise, dated the 1st March, 2000, was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide G.S.R. 197 (E), dated the 1st March, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं० 29/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 289 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 6/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 का निम्नलिखित और संशोधन 1 अप्रैल, 2000 से ही करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) सारणी में,—

- (i) क्रम सं. 72 के सामने, स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"शीर्ष सं. 84.26, 84.27, 84.28, 84.29 और 84.30 के अन्तर्गत आने वाली मशीनरी तथा मोटरयान के विनिर्माण में प्रयुक्त टायर, फ्लैप और ट्यूब";

- (ii) क्रम सं. 72 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि गं अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"72क.	4012.11, 4012.19, या 4013.90	शीर्ष सं. 84.26, 84.27, 84.28, 84.29 और 84.30 के अंतर्गत आने वाली मशीनरी और मोटरयानों के विनिर्माण में उपयोग के लिए और आगे प्रदाय के लिए टायरों के किसी विनिर्माता को प्रदाय किए गए ट्यूब और फ्लैप	--	कुछ नहीं	5"

- (iii) क्रम सं. 88 के सामने, स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
 “ऊन की व्युत्पत्ति फेब्रिकें, यदि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57 कट के अधीन कोई प्रत्यय प्राप्त नहीं किया है” ;
- (iv) क्रम सं. 109 के सामने स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
 “निम्नलिखित माल, यदि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या 57कट के अधीन कोई प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है, अर्थात् :—
 (क) फैलक्स की व्युत्पत्ति फेब्रिकें;
 (ख) रैमी की व्युत्पत्ति फैब्रिकें;
- (v) क्रम सं. 119 के सामने स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
 “हाई डेन्सिटी पालिथीलीन या पोलिप्रोपाइलीन के मोनोफिलामेंट, यदि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या 57कट के अधीन प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है”;
- (vi) क्रम सं. 153 के सामने स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
 “ऊन की या बढ़िया प्राणी बाल की या अन्य टैक्सटाइल सामग्री की (सूत या मानव निर्मित फाइबर या जूट से भिन्न) फैब्रिकें, जिस पर कोई प्रक्रिया नहीं की जाती है, यदि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन निवेश पर किसी प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है”;
- (vii) क्रम सं. 159 के सामने, स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
 “रबड़ीकृत टैक्सटाइल फैब्रिकें, यदि नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन निवेश पर कोई प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है”;
- (viii) क्रम सं. 164 के सामने, स्तंभ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—
 “टैक्सटाइल सामग्री से (कपास या मानव निर्मित फाइबर से भिन्न) जिनके संबंध में कोई और प्रक्रिया नहीं की जाती है, सभी माल जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के संबंध में कोई और प्रक्रिया साधारणतया शक्ति की सहायता से की जाती है (उपशीर्ष सं. 6002.10 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न) परन्तु यह तब जब केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या 57कट के अधीन कोई प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है”;
- (ix) क्रम सं. 241 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"241	91	(i) शीर्ष सं. 91.01, 91.02, 91.03 या 91.05 के अंतर्गत आने वाली घड़ियां और दीवाल घड़ियां जिनका फुटकर विक्रय कीमत प्रति नग 500 रुपए से अधिक नहीं है।	कुछ नहीं	—	—
		(ii) ऊपर (i) में विनिर्दिष्ट घड़ियों और दीवाल घड़ियों के विनिर्माण में प्रयुक्त शीर्ष सं. 91.08, 91.09, 91.10, 91.11, 91.12, 91.13 या 91.14 के अंतर्गत आने वाले पुर्जे और संघटक स्पष्टीकरण—इस छूट के प्रयोजनों के लिए, “फुटकर विक्रय कीमत” से वह अधिकतम कीमत अभिप्रेत है जिस पर अंतिम उपभोक्ता को पैक किए गए रूप	कुछ नहीं	—	5”

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		में उत्पाद-शुल्क माल का विक्रय किया जाता है और इसके अंतर्गत, यथास्थिति, स्थानीय या अन्यथा सभी कर, भाड़ा, परिवहन प्रभार, डीलरों को संदेय कमीशन और विज्ञापन, परिदान पैकिंग, फारवर्डिंग और इस प्रकार के मददे सभी प्रभार आते हैं और ऐसे विक्रय के लिए कीमत ही एकमात्र प्रतिफल है।			

(ii) शर्त सं० 15 में, खंड (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) यह छूट उक्त मालों के ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी, जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचनाएं सं० 82000-केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 और 9/2000-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 के अधीन छूट प्राप्त करता है।”

(iii) शर्त सं० 17 में, खंड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ii) निवेशों पर संदत शुल्क का कोई प्रत्यय, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कट या नियम 57कख के अधीन लिया गया है।”

(iv) शर्त सं० 21 के खंड (iii) में “नियम 57क या 57ख या 57थ थे। शब्द, अंक और अक्षरों के स्थान पर “नियम 57कख या 57कट शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(v) शर्त सं० 22 के खंड (ii) में “नियम 57क या 57ख या 57घ शब्द, अंक और अक्षरों के स्थान पर “नियम 57कख या 57कट” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(vi) शर्त सं० 27 के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“यदि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन किसी प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है।”;

(vii) शर्त सं० 28 के खंड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

(i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन किसी प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है; और;

(viii) शर्त सं० 29 के खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या 57कट के अधीन किसी प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है; और”;

(ix) शर्त सं० 34 के खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन निवेशों पर संदत शुल्क के किसी प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है”;

(x) शर्त सं० 36 के खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन किसी प्रत्यय का उपभोग नहीं किया गया है; और”;

(xi) शर्त सं० 46 में—

“नियम 57क या नियम 57ख” शब्द, अंक और अक्षर के स्थान पर “नियम 57कख या 57कट” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(xii) शर्त सं० 48 के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“यदि चैसिस पर संदत शुल्क का कोई प्रत्यय केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या 57कट के अधीन नहीं लिया गया है।”;

(xiii) शर्त सं० 49 के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“यदि चैसिस और कम्प्रेसन पर संदत शुल्क का कोई प्रत्यय केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख या नियम 57कट के अधीन नहीं लिया गया है।”

[फा० सं० बी-4/5/2000-टी आर०यू०]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

टिप्पण :— मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, में अधिसूचना सं० 6/2000-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, ता० 1 मार्च, 2000 [सा०का०नि० 184(अ), ता० 1 मार्च, 2000] के अधीन प्रकाशित की गई थी और अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 22/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ता० 6 मार्च, 2000, [सा०का०नि० 223 (अ), तारीख 6 मार्च, 2000 द्वारा किया गया है।]

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 29/2000-Central Excise

G.S.R. 289 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments, on and from the 1st day of April 2000, in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 6/2000-Central Excise, dated the 1st March, 2000, namely:—

In the said notification,—

(a) in the Table,—

(i) against S. No. 72, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:—

“Tyres, flaps and tubes used in the manufacture of machinery falling under heading Nos. 84.26, 84.27, 84.28, 84.29 and 84.30 and motor vehicles”;

(ii) after serial number 72 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
“72A.	4012.11, 4012.19, or 4013.90	Tubes and flaps supplied to a manufacturer of tyres for further supply for use in the manufacture of machinery falling under heading Nos. 84.26, 84.27, 84.28, 84.29 and 84.30, and motor vehicles	--	Nil	5”

(iii) against S.No.88, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:—

“Woven fabrics of wool, if no credit under rule 57AB or rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been availed”;

(iv) against S.No.109, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:-

“The following goods, if no credit under rule 57AB or rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been availed, namely:-

- (a) woven fabrics of flax;
- (b) woven fabrics of ramie”;

(v) against S.No.119, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:-

“ Monofilament of high density polyethylene or polypropylene, if no credit under rule 57AB or rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been availed”;

(vi) against S.No.153, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:-

“ Fabrics not subjected to any processes, of wool or of fine animal hair, or of other textile material (other than cotton or man-made fibre or jute) if no credit on inputs under rule 57AB or rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been availed”;

(vii) against S.No.159, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:-

“ Rubberized textile fabrics, if no credit on inputs under rule 57AB or rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been availed”;

(viii) against S.No.164, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted, namely:-

“ All goods in, or in relation to, the manufacture of which any process is ordinarily carried in with the aid of power (other than goods falling under sub-heading No.6002.10) of textile materials (other than cotton or man-made fibre) not subjected to any further process, provided no credit under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been availed.”;

(ix) for serial number 241 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
'241.	91	(i) Watches and Clocks falling under heading Nos. 91.01, 91.02, 91.03 and 91.05 of retail sale price not exceeding Rs.500/- per piece.	Nil	--	--
		(ii) Parts and components falling under heading Nos. 91.08, 91.09, 91.10, 91.11, 91.12, 91.13 and 91.14, used in the manufacture of watches and clocks specified at (i) above	Nil	--	5'

Explanation.- For the purposes of this exemption, “retail sale price” means the maximum price at which the excisable goods in packaged form may be sold to the ultimate consumer and includes all taxes, local or otherwise, freight, transport charges, commission payable to dealers, and

all charges towards advertisement, delivery, packing, forwarding and the like, as the case may be, and the price is the sole consideration for such sale.

(b) in the Annexure,-

(i) in condition No.2 for the words, figures and letters "rule 57A or 57B" the words, figures and letters "rule 57AB or 57 AK" shall be substituted;

(ii) in condition No. 15 , for clause (2) , the following shall be substituted, namely:-

"(2) The exemption shall not be applicable to a manufacturer of the said goods who avails of the exemption under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance(Department of Revenue), No. 8/2000-Central Excise dated the 1st March, 2000 and No. 9/2000-Central Excise dated the 1st March, 2000";

(iii) in condition No. 17A, for clause (ii), the following clause shall be substituted, namely:-

"(ii) no credit of duty paid on inputs has been taken under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944.";

(iv) in condition No.21, in clause (iii), for the words, figures and letters "rule 57A or 57B or 57Q", the words, figures and letters "rule 57AB or 57AK" shall be substituted;

(v) in condition No.22, in clause (ii), for the words, figures and letters "rule 57A or 57B or 57Q", the words, figures and letters "rule 57AB or 57AK" shall be substituted;

(vi) for condition No.27 following condition shall be substituted, namely:-

"If no credit under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944 has been taken.";

(vii) in condition No.28, for clause (i) following shall be substituted, namely:-

"(i) no credit under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944, has been taken; and";

(viii) in condition No.29, for clause (i) following shall be substituted, namely:-

"(i) no credit under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944 has been taken; and";

(ix) in condition No. 34, for clause (a) following shall be substituted, namely:-

"(a) no credit of duty paid on inputs under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944 has been taken;";

(x) in condition No.36, for clause (a) following shall be substituted, namely:-

"(a) no credit under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944 has been taken; and";

(xi) in condition No.46, for the words, figures and letters "rule 57A or rule 57B", the words, figures and letters "rule 57AB or 57AK" shall be substituted;

(xii) for condition No. 48, following condition shall be substituted, namely:-

"If no credit of duty paid on the chassis has been taken under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944.";

(xiii) for condition No. 49, following condition shall be substituted, namely:-
 “If no credit of duty paid on the chassis and compressor has been taken under rule 57AB or 57AK of the Central Excise Rules, 1944.”

[F.No.B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

Note:- The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 6/2000-Central Excise, dated the 1st March, 2000 [G.S.R. 184 (E) dated the 1st March, 2000] and was last amended by notification No.22 /2000-Central Excise, dated the 6th March, 2000 [G.S.R. 223 (E) dated the 6th March, 2000]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 30/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 290(अ).—केंद्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 17/2000 केंद्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 मार्च, 200 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के दूसरे पैरा के खंड (ii) में,

“सं. 26/96—केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.) तारीख 3 सितम्बर, 1996 द्वारा यथा संशोधित” अक्षर, अंक, शब्द और कोष्ठकों के स्थान पर “सं. 28/2000—केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.) तारीख 31 मार्च, 2000” अक्षर, अंक, शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2000 से ही प्रभावी होगी।

[सं. बी-4/4/2000]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 30/2000-Central Excise

G.S.R. 290 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 17/2000-Central Excise, dated the 1st March, 2000, namely:-

In the said notification, in the second paragraph, in clause (ii), for the words, figures and brackets “No. 29/96-Central Excise (N.T.), dated the 3rd September, 1996, as amended”, the words, figures and brackets “No. 28/2000-Central Excise (N.T.), dated the 31st March, 2000” shall be substituted.

2. This notification shall come into effect on and from the 1st day of April, 2000.

[F. No. B4/4/2000-TRU]

SANJEEV, SACHDEVA Dy. Secy.

Footnote :—The principal notification No. 17/2000-Central Excise, dated the 1st March, 2000, was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide G.S.R. 195(E), dated the 1st March, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 31/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 291(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, ये निदेश देती है कि इससे उपाबद्ध सारणी के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचनाओं में से प्रत्येक का उक्त सारणी के स्तंभ (3) में तत्स्थानीय प्राप्ति में विनिर्दिष्ट रीति से यथास्थिति संशोधन अथवा और संशोधन, जैसा कि मामला हो, किया जायेगा ।

क्रम सं	अधिसूचना सं	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	83/94-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 11 अप्रैल, 1994	उक्त अधिसूचना में “8/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1999 और 9/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1999 अकों शब्दों और अक्षरों के स्थान पर “8/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 और 9/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000” अंक, शब्द और अक्षर रखे जायेंगे ।
2	84/94-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 11 अप्रैल, 1994	उक्त अधिसूचना में “8/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1999 और 9/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1999 अको शब्दों और अक्षरों के स्थान पर “8/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 और 9/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000” अंक, शब्द और अक्षर रखे जायेंगे ।
3	9/96-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 22 जुलाई, 1996	उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में, कम संख्या 1क के सामने, स्तंभ 13। में, “8/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1999” अकों, शब्दों और अक्षरों के स्थान पर “8/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000” अंक शब्द और अक्षर रखे जायेंगे ।
4	8/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000	उक्त अधिसूचना में,— (क) पैरा 2 में, (i) खंड (iii) में “57 क या 57 ख ” अंक और शब्द के स्थान पर “57क ख या 57क ङ ” अंक और शब्द रखे जायेंगे; (ii) खंड (iv) में “57 थ” अंक और अक्षर के स्थान पर “57क ख” अंक और अक्षर रखे जायेंगे (ख) पैरा 3 में खंड (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा अर्थात्,—

1	2	3
		<p>“(ड) उपशीर्ष संख्या 7211.11, 7211.19, 7211.30, 7211.52, 7211.59, 7211.60, 7211.92, 7211.99, 7213.90, 7214.90, 7215.90, 7216.10 और 7216.90 के अंतर्गत आने वाले गैर मिश्रातु इस्पात के तप्त पुनर्विल्लित माल जो कि 31 मार्च, 2000 को स्टॉक में है, और जिन पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 3क के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का सदाय कर दिया गया है, की निकासियां ;</p> <p>(च) उपशीर्ष संख्या 7206.90 और 7207.90 के अंतर्गत आने वाले गैर मिश्रातु इस्पात की सिल्लियां और बिलेट , जो कि 31 मार्च, 2000 में स्टॉक में है, और जिन पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अधिनियम 1944 की धारा 3क के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का सदाय कर दिया गया है ,की निकासियां । ”</p>
5.	9/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000	<p>उक्त अधिसूचनो में, पैरा 3 में, खंड (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जायेगा अर्थात्,—</p> <p>“(ड) उपशीर्ष संख्या 7211.11, 7211.19, 7211.30, 7211.52, 7211.59, 7211.60, 7211.92, 7211.99, 7213.90, 7214.90, 7215.90, 7216.10 और 7216.90 के अंतर्गत आने वाले गैर मिश्रातु इस्पात के तप्त पुनर्विल्लित माल जो कि 31 मार्च, 2000 को स्टॉक में है, और जिन पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 3क के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का सदाय कर दिया गया है, की निकासियां ;</p> <p>(च) उपशीर्ष संख्या 7206.90 और 7207.90 के अंतर्गत आने वाले गैर मिश्रातु इस्पात की सिल्लियां और बिलेट , जो कि 31 मार्च, 2000 में स्टॉक में है, और जिन पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अधिनियम 1944 की धारा 3क के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का सदाय कर दिया गया है ,की निकासियां । ”</p>

2 यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2000 को प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-5/2000-टी.आर.यू.]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

टिप्पण :

- 1 अधिसूचना सं. 83/94-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 11 अप्रैल, 1994, भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि 375 (अ), तारीख 11 अप्रैल, 1994 द्वारा प्रकाशित की गई और उसका अंतिम बार अधिसूचना सं. 36/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 26 अगस्त, 1999 (सा.का.नि 610(अ), तारीख 26 अगस्त 1999) द्वारा संशोधन किया गया ।

- 2 अधिसूचना स 84/94—केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 11 अप्रैल, 1994, भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 376 (अ), तारीख 11 अप्रैल, 1994 द्वारा प्रकाशित की गई और उसका अंतिम बार अधिसूचना स. 36/99—केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 26 अगस्त, 1999 (सा.का.नि. 610(अ), तारीख 26 अगस्त 1999) द्वारा संशोधन किया गया ।
- 3 अधिसूचना स 9/96—केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 23 जुलाई, 1996 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 307 (अ), तारीख 23 जुलाई, 1996 द्वारा प्रकाशित की गई और उसका अंतिम बार अधिसूचना स. 43/99—केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 24 दिसम्बर, 1999 (सा.का.नि. 818(अ), तारीख 24 दिसम्बर, 1999) द्वारा संशोधन किया गया ।
- 4 अधिसूचना स 8/2000—केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 186(अ), तारीख 1 मार्च, 2000 द्वारा प्रकाशित की गई ।
- 5 अधिसूचना स 9/2000—केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 187(अ), तारीख 1 मार्च, 2000 द्वारा प्रकाशित की गई ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No 31/2000-Central Excise

G.S.R. 291(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Tariff Act, 1985 (1 of 1986) , read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended , as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S. No	Notification No.	Amendment
(1)	(2)	(3)
1.	83/94-Central Excises dated the 11 th April, 1994	In the said notification, for the figures , words and letters “ 8/99-Central Excise dated the 28 th February, 1999 and 9/99-Central Excise dated the 28 th February, 1999”, the figures , words and letters “ 8/2000-Central Excise dated the 1 st March, 2000 and 9/2000-Central Excise dated the 1st March, 2000” shall be substituted.
2.	84/94-Central Excises dated the 11 th April, 1994	In the said notification, for the figures , words and letters “ 8/99-Central Excise dated the 28 th February, 1999 and 9/99-Central Excise dated the 28 th February, 1999”, the figures , words and letters “ 8/2000-Central Excise dated the 1 st March, 2000 and 9/2000-Central Excise dated the 1st March, 2000” shall be substituted.

3.	9/96-Central Excise dated the 23 rd July, 1996	In the Table annexed to the said notification, against S. No 1A, in column (3), for the figures , words and letters “ 8/99-Central Excise dated the 28 th February, 1999 ”, the figures , words and letters “ 8/2000-Central Excise dated the 1 st March, 2000 ” shall be substituted.
4.	8/2000-Central Excise dated the 1 st March, 2000	<p>In the said notification,-</p> <p>(a) in paragraph 2,</p> <p>(i) in clause (iii), for the words, figures and letters “ the credit of duty under rule 57A or rule 57B of the Central Excise Rules, 1944 paid on inputs used”, the words, figures and letters “ the credit of duty under rule 57AB or rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944 on inputs used” shall be substituted;</p> <p>(ii) in clause (iv), for the words, figures and letters “ rule 57Q”, the words, figures and letters “ rule 57AB ” shall be substituted;</p> <p>(b) in paragraph 3 , after clause (d) , the following shall be inserted namely;-</p> <p>“ (e) clearances of hot re rolled products of non alloy steel falling under sub-heading Nos. 7211.11, 7211.19, 7211.30, 7211.52, 7211.59, 7211.60, 7211.92, 7211.99, 7213.90, 7214.90, 7215.90, 7216.10 and 7216.90 , lying in stock on 31st March , 2000, on which duty of excise has been paid under section 3A of the Central Excise Act, 1944;</p> <p>(f) clearances of ingots and billets of non-alloy steel falling under sub-heading Nos.7206.90 and 7207.90, lying in stock on 31st March, 2000, on which duty of excise has been paid under section 3A of the Central Excise Act, 1944 .”</p>
5.	9/2000-Central Excise dated the 1 st March, 2000	<p>In the said notification, in paragraph 3, after clause (d) , the following shall be inserted namely;-</p> <p>“ (e) clearances of hot re rolled products of non alloy steel falling under sub-heading Nos. 7211.11, 7211.19, 7211.30, 7211.52, 7211.59, 7211.60, 7211.92, 7211.99, 7213.90, 7214.90, 7215.90, 7216.10 and 7216.90 , lying in stock on 31st March, 2000, on which duty of excise has been paid under section 3A of the Central Excise</p>

		Act, 1944”; (f) clearances of ingots and billet of non-alloy steel falling under sub-heading No. 7206.90 and 7207.90, lying in stock on 31 st March, 2000, on which duty of excise has been paid under section 3A of the Central Excise Act, 1944.”
--	--	---

2. This notification shall come into force on 1st April, 2000

[F. No. B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

Note :

1. Notification 83/94-Central Excises dated 11th April, 1994 was published in the Gazette of India Extraordinary vide GSR 375(E) dated the 11th April, 1994 and was last amended by notification No 36 / 99- Central Excise dated the 26th August, 1999(GSR 610 (E) dated the 26th August, 1999)

2. Notification 84/94-Central Excises dated 11th April, 1994 was published in the Gazette of India Extraordinary vide GSR 376 (E) dated the 11th April, 1994 and was last amended by notification No 36 / 99- Central Excise dated the 26th August, 1999(GSR 610 (E) dated the 26th August, 1999)

3. Notification 9/96-Central Excise dated 23rd July, 1996 was published in the Gazette of India Extraordinary vide GSR 307 (E) dated the 23rd July, 1996 and was last amended by notification No 43 / 99- Central Excise dated the 24th December, 1999 (GSR 818 (E) dated the 24th December, 1999)

4. Notification 8/2000-Central Excise dated 1st March, 2000 was published in the Gazette of India Extraordinary vide G S R 186 (E) dated the 1st March, 2000

5. Notification 9/2000-Central Excise dated 1st March, 2000 was published in the Gazette of India Extraordinary vide G S R 187 (E) dated the 1st March, 2000

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 32/2000-केंद्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 292(अ).—केंद्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 67/95—केंद्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 16 मार्च, 1995 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—(क) स्पष्टीकरण का लोप किया जाएगा;

(ख) सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात्:—

“सारणी	
निवेशों का विवरण	अंतिम उत्पादों का विवरण
1	2
केंद्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले सभी माल, उच्च गति डीजल तेल और मोटर स्पिरिट जो सामान्यतया पेट्रोल के नाम से जाना जाता है से भिन्न।	केंद्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले सभी माल, निम्नलिखित से भिन्न, अर्थात् :— (i) दियासलाई, (ii) उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 52, अध्याय 54 या अध्याय 55 के अंतर्गत आने वाले कपास या मानव निर्मित फाइबरों की फैब्रिकें : (iii) उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 58.01, 58.02, 58.06 (उपशीर्ष सं. 5806.20 के अंतर्गत आने वाले मालों से भिन्न), 60.01 या 60.02 (उपशीर्ष सं. 6002.10 के अंतर्गत आने वाले मालों से भिन्न) के अंतर्गत आने वाले कपास या मानव निर्मित फाइबरों की फैब्रिकें।”

[फ. सं. बी-4/5/2000-टी आर यू]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

टिप्पण :— मूल अधिसूचना सं. 67/95-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1995 सा. का. नि. सं. 259(अ), तारीख 16 मार्च, 1995 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गई थी और उसका अंतिम संशोधन सा. का. नि. सं. 501(अ), तारीख 30 अगस्त, 1997 के अधीन भारत के राजपत्र असाधारण, में प्रकाशित अधिसूचना सं. 59/97-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 30 अगस्त, 1997 द्वारा किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 32/2000-Central Excise

G.S.R. 292(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Rules, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.67/95-Central Excise dated the 16th March, 1995, namely:—

In the said notification, -

(a) the *Explanation* shall be omitted;

(b) for the Table, the following Table shall be substituted, namely:—

“ Table

Description of Inputs (1)	Description of final products (2)
All goods falling under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), other than high speed diesel oil and motor spirit, commonly known as petrol.	All goods falling under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), other than the following, namely:- (i) matches; (ii) fabrics of cotton or man made fibres falling under Chapter 52, Chapter 54 or Chapter 55 of the First Schedule to the said Act; (iii) fabrics of cotton or man-made fibres falling under heading No.58.01, 58.02, 58.06 (other than goods falling under sub-heading No.5806.20), 60.01 or 60.02 (other than goods falling under sub-heading No.6002.10) of the First Schedule to the said Act.”

[F. No. B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

Note : The principal notification No.67/95-Central Excise dated the 16th March, 1995 was published in the **Gazette** of India, Extraordinary vide G.S.R.NO.259(E), dated the 16th March, 1995 and was last amended by notification No.59/97-Central Excise, dated the 30th August, 1997 which was published in the **Gazette** of India, Extraordinary vide G.S.R.No.501(E), dated the 30th August, 1997.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 33/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 293(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है; भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 214/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1986 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,— (क) स्पष्टीकरण का लोप किया जाएगा;

(ख) सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात् :—

“सारणी

निवेशों का विवरण (1)	अंतिम उत्पादों का विवरण (2)
केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले सभी माल, उच्च गति डीजल तेल और मोटर स्पिरिट जो सामान्यतया पेट्रोल के नाम से जानी जाती है से भिन्न।	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले सभी माल, निम्न-लिखित से भिन्न, अर्थात् :— (i) दियासलाई; (ii) उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 52, अध्याय 54 या अध्याय 55 के अंतर्गत आने वाले कपास या मानव निर्मित फाइबरों की फैब्रिकें; (iii) उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 58.01, 58.02, 58.06 (उपशीर्ष सं. 5806.20 के अंतर्गत आने वाले वालों से भिन्न), 60.01 या 60.02 (उपशीर्ष सं. 6002.10 के अंतर्गत आने वाले मालों से भिन्न) के अंतर्गत आने वाले कपास या मानव निर्मित फाइबरों की फैब्रिकें।”

[फा. सं. बी-4/5/2000-टीआरयू]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

टिप्पण :—मूल अधिसूचना सं. 214/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1986 सा. का. नि. सं. 547(अ), तारीख 25 मार्च, 1986 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गई थी और उसका अंतिम संशोधन सा.का.नि. सं. 516(अ), तारीख 1 सितंबर, 1997 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित अधिसूचना सं. 60/97-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 सितंबर, 1997 द्वारा किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 33/2000-Central Excise

G.S.R. 293(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Rules, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.214/86-Central Excise, dated the 25th March, 1986, namely: -

In the said notification,-

- the *Explanation II* shall be omitted;
- for the Table, the following Table shall be substituted, namely:-

" Table

Description of Inputs	Description of final products
(1)	(2)
All goods falling under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), other than high speed diesel oil and motor spirit, commonly known as petrol.	All goods falling under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), other than the following, namely:- <ol style="list-style-type: none"> matches; fabrics of cotton or man made fibres falling under Chapter 52, Chapter 54 or Chapter 55 of the First Schedule to the said Act; fabrics of cotton or man-made fibres falling under heading No.58.01, 58.02, 58.06 (other than goods falling under sub-heading No.5806.20), 60.01 or 60.02 (other than goods falling under sub-heading No.6001.10) of the First Schedule to the said Act."

[F. No. B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

Note : The principal notification No.214/86-Central Excise dated the 25th March, 1986 was published in the Gazette of India, Extraordinary vide G.S.R.NO.547(E), dated the 25th March, 1986 and was last amended by notification No.60/97-Central Excise, dated the 1st September, 1997 which was published in the Gazette of India, Extraordinary vide G.S.R.No.516(E), dated the 1st September, 1997.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 34/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 294(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की, अधिसूचना सं. 49/97-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 अगस्त, 1997 जो भारत के राजपत्र, असाधारण में सं. सा. का. नि. 440 (अ), तारीख 1 अगस्त, 1997 के अधीन प्रकाशित की गई थी 1 मई, 2000 से ही विखंडित करती है।

[फा. सं. बी-4/5/2000-टी. आर.यू.]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 34/2000-Central Excise

G.S.R. 294 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section 1 of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds, on and from the 1st day of May, 2000, the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.49/97-Central Excise dated the 1st August, 1997 published in the Gazette of India, Extraordinary, vide No.G.S.R. 440(E), dated the 1st of August, 1997.

[F. No. B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 24/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 295 (अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को 1 अप्रैल, 2000 से विखंडित करती है, अर्थात् :—

1. 29/96—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.) तारीख 3 सितंबर, 1996 [सा. का. नि. 402(अ), तारीख 3 सितंबर, 1996]
2. 16/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.) तारीख 1 मार्च, 2000 [सा.का.नि. 208 (अ), तारीख 1 मार्च, 2000]

[सं. बी-4/4/2000-टी. आर. यू.]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 24/2000-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 295 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 57A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), on and from the 1st day of April, 2000, namely:—

1. 29/96-Central Excise (N.T.), dated the 3rd September, 1996 [G.S.R. 402(E), dated the 3rd September, 1996].
2. 16/2000-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2000 [G.S.R. 208(E), dated the 1st March, 2000].

[F. No. B-4/4/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 25/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 296(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57क के उपानयन (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 17/2000 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.) तारीख 1 मार्च, 2000 [सा. का. नि. 209 (अ), तारीख 1 मार्च, 2000] 1 अप्रैल, 2000 से विरुद्धित करती है।

[सं. बी-4/4/2000 टी. आर. यू.]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 25/2000-Central Excise (N.T.)

G. S. R. 296(E).— In exercise of the powers conferred by sub-rule (6) of rule 57A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 17/2000-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2000 [G.S.R. 209(E), dated the 1st March, 2000], on and from the 1st day of April, 2000.

[F. No. B-4/4/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 26/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 297 (अ).—केन्द्रीय सरकार, तप्त वायु स्टैंटर स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता वार्षिक क्षमता अवधारण नियम, 2000 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (i) (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तप्त वायु स्टैंटर स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता वार्षिक क्षमता अवधारण (संशोधन) नियम, 2000 है।
- (ii) ये 1 अप्रैल, 2000 को प्रवृत्त होंगे।

(i) नियम 3 में,—

(क) उपनियम (1) में “केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को (जिसे इसमें इसके पश्चात् आयुक्त कहा गया है), यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को एक प्रति सहित” शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर “यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को प्रति सहित” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) उपनियम (3) में “आयुक्त” शब्द के, जिन दो स्थानों पर यह आता है, स्थान पर “यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त” रखे जाएंगे;

(ii) नियम 4 के उपनियम 3 में,—

(क) “केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त” शब्दों के स्थान पर “यथास्थिति उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) परन्तु में “आयुक्त” शब्द के स्थान पर “यथास्थिति उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त” शब्द रखे जाएंगे;

(iii) नियम 5 में “वह केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को प्रस्तावित परिवर्तन की बाबत लिखित में, यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को एक प्रति सहित, ऐसे प्रस्तावित परिवर्तन की एक मास अग्रिम में सूचना देगा और ऐसा परिवर्तन करने से पूर्व आयुक्त से लिखित अनुमोदन प्राप्त करेगा। उसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त” शब्दों के स्थान पर “वह लिखित में, यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को एक प्रति सहित, ऐसे प्रस्तावित परिवर्तन की एक मास अग्रिम में सूचना देगा और ऐसा परिवर्तन करने से पूर्व, यथास्थिति उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त से लिखित अनुमोदन प्राप्त करेगा। उसके पश्चात् यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. बी-4/4/2000 टी. आर. यू.]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम, अधिसूचना सं. 14/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.) तारीख 1 मार्च, 2000 [सा. का नि. 206 (अ) तारीख 1 मार्च, 2000] द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

NO. 26/2000-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 297 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Hot-air Stenter Independent Textile Processors Annual Capacity Determination Rules, 2000, namely:-

1. (1) These rules may be called the Hot-air Stenter Independent Textile Processors Annual Capacity Determination (Amendment) Rules, 2000.

(2) They shall come into force with effect from the 1st day of April, 2000.

2. In the Hot-air Stenter Independent Textile Processors Annual Capacity Determination Rules, 2000,-

(i) in rule 3,-

(a) in sub-rule (1), for the words and brackets “to the Commissioner of Central Excise (hereinafter referred to as the Commissioner), with a copy to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be”, the words and brackets “to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, with a copy to the Superintendent of Central Excise” shall be substituted;

(b) in sub-rule (3), for the words “the Commissioner” at the two places where they occur, the words “the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be,” shall be substituted;

(ii) in rule 4, in sub-rule (3),-

- (a) for the words "The Commissioner of Central Excise", the words "The Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be," shall be substituted;
- (b) in the proviso, for the words "the Commissioner", the words "the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be," shall be substituted;
- (iii) in rule 5, for the words "to the Commissioner of Central Excise in writing, with a copy to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, one month in advance of such proposed change, and shall obtain the written approval of the Commissioner before making such change, whereafter the Commissioner of Central Excise shall determine the date from which the change in the annual capacity shall be deemed to be effective", the words "to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, in writing, with a copy to the Superintendent of Central Excise, one month in advance of such proposed change, and shall obtain the written approval of the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, before making such change, whereafter the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, shall determine the date from which the change in the annual capacity shall be deemed to be effective" shall be substituted.

[F. No. B-4/4/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

Note :— The principal rules were published vide notification No. 14/2000-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2000 [G.S.R. 206(E), dated the 1st March, 2000].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 27/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 298(अ).—केन्द्रीय सरकार, उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियम, 2000 का निम्न संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियम, 2000 कहे जाएंगे।
2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियम, 2000 में, नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
नियम 57क से नियम 57फ के स्थान पर निम्नलिखित नियम 1 अप्रैल, 2000 से प्रभावी रखे जायेंगे।

“कक. निवेशों या पूंजी या मालों के रूप में प्रयुक्त उत्पाद-शुल्क्य मालों पर संदत्त शुल्क्य का प्रत्यक्ष”

57कक. परिभाषाएं—इस धारा के प्रयोजन के लिए,—

(क) “पूंजी माल” से—

अंतिम उत्पादों के विनिर्माता के कारखाने में प्रयुक्त—

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की पहली अनुसूची के अध्याय 82, अध्याय 84, अध्याय 85, अध्याय 90, शीर्ष सं. 68.02 और उपशीर्ष सं. 6801.10 के अंतर्गत आने वाले सभी माल,
- (ii) ऊपर (i) में विनिर्दिष्ट मालों के संघटक, फालतू पुर्जें और उपसाधन ;
- (iii) सांचे और डाइयां ;
- (iv) उच्चताप सह और उच्चताप सह सामग्री ;

(v) कारखाने में प्रयुक्त ट्यूब और पाइप तथा उनकी फिटिंग ; और

(vi) प्रदूषण नियंत्रण उपस्कर, अभिप्रेत हैं।

स्पष्टीकरण :—शंकाओं के निराकरण के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि “पूंजी माल” के अंतर्गत किसी कार्यालय में प्रयुक्त उपस्कर या साधन नहीं आते हैं।

(ख) “छूट प्राप्त मालों” से ऐसे माल अभिप्रेत हैं जो उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त हैं और इसके अंतर्गत ऐसे माल भी हैं जो शुल्क की “शून्य” दर से प्रभाव्य हैं ;

(ग) “अंतिम उत्पाद” से दियासलाई को छोड़कर निवेशों से विनिर्मित या उत्पादित उत्पाद शुल्क माल अभिप्रेत है ;

(घ) “निवेश” से उच्चवेग तेल और मोटर स्पिरिट जो सामान्य रूप से पेट्रोल के नाम से जाना जाता है, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में या उसके संबंध में उपयोग किया जाता है और चाहे अंतिम उत्पाद में अंतर्निहित हो या न हो और इसके अंतर्गत अंतिम उत्पादों के साथ निकास किए गए अंतिम उत्पादों के उपसाधन आते हैं, ऐसा माल जो पेंट के रूप में, या पैकिंग सामग्री के रूप में या ईंधन के रूप में, या अंतिम उत्पादों या किसी अन्य प्रयोजन के लिए विनिर्माण के लिए प्रयुक्त विद्युत या भाप के जनन के लिए उत्पादन के कारखाने के भीतर प्रयोग किए जाते हैं और इसके अंतर्गत स्नेहक तेल, ग्रीज, कर्तन तेल और कुलेंडर्स भी आते हैं को छोड़कर सभी माल अभिप्रेत हैं।

स्पष्टीकरण :—उच्च वेग डीजल तेल या मोटर स्पिरिट जो सामान्यतः पेट्रोल के नाम से जाना जाता है कभी भी किसी प्रयोजन के लिए निवेश के रूप में नहीं माना जाएगा।

57कख. सैनवेट प्रत्यय.—(क) अंतिम उत्पाद के विनिर्माता या उत्पादक को निम्नलिखित का प्रत्यय (जिसे इसमें इसके पश्चात् सैनवेट प्रत्यय कहा गया है) लेने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा —

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की (1986 का 5) पहली अनुसूची में (जिसे इसमें इसके पश्चात् पहली अनुसूची कहा गया है) विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क जो अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय है ,
- (ii) उक्त पहली अनुसूची के उपशीर्ष सं. 2401.90, 2404.99, 5402.20, 5402.32, 5402.42, 5402.43, 5402.52, 5402.62, 8415.00, 8702.10, 8703.90, 8706.21 और 8706.39 के अंतर्गत आने वाले माल के संबंध में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के अधीन उद्ग्रहणीय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क ;
- (iii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क ;
- (iv) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1975 का 58) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क ;
- (v) उपरोक्त खंड (क), (ख), खंड (ग) और (घ) के अधीन विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क के समतुल्य सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अधीन धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क ; जिसका संदाय 1 अप्रैल, 2000 को या उसके पश्चात् कारखाने में किसी निवेश या पूंजी माल पर किया गया।

स्पष्टीकरण :—शंका दूर करने के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि अंतिम उत्पाद का विनिर्माता को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं. 98.01 में आने वाले सभी माल पर धारा 3 में लगने वाले अतिरिक्त शुल्क का सैनवेट प्रत्यय अनुसाव किया जायेगा।

(ख) सैनवेट प्रत्यय का उपयोग विनिर्माता द्वारा अंतिम उत्पाद का उत्पाद शुल्क के संदाय के लिए या निवेश या पूंजी माल पर स्वतः ही शुल्क के संदाय के लिए किया जायेगा यदि ऐसा निवेश इसी प्रकार ही हटाया जाता है या भागतः उसको प्रसंस्कृत किया जाता है या पूंजीगत माल इसी प्रकार ही हटाया जाता है।

स्पष्टीकरण :—जब कारखाने से निवेश या पूंजी या पूंजीगत माल को हटाया जाता है, अंतिम उत्पाद का विनिर्माता उस पर उद्ग्रहणीय समर्पित उत्पाद शुल्क का, इस प्रकार संदाय करेगा मानो ऐसा निवेश या पूंजीगत माल का विनिर्माण उक्त कारखाने में किया गया हो, और ऐसा नियम 52क के अधीन विहित किसी बीजक के अधीन हटाया जाएगा।

(2) उपनियम (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी :—

(क) निम्नलिखित उत्पादों या विनिर्मित निवेश या पूंजीगत माल की बाबत विनिर्दिष्ट शुल्क का प्रत्यय—

(i) मुक्त व्यापार जोन में और भारत के किसी अन्य स्थान में अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त ; या

(ii) शत-प्रतिशत निर्यात-मुख्य उपक्रम द्वारा या किसी इलेक्ट्रॉनिक हाईवेयर टेक्नोलॉजी पार्क या सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की किसी इकाई द्वारा और भारत में किसी स्थान में अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त ;

उस सीमा तक प्रतिबंधित किया जाएगा जो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अधीन वैसे ही माल पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के बराबर हो, ऐसे निवेशों पर संदत्त किया गया है ;

(ख) निम्नलिखित की बाबत प्रत्यय -

(i) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क ;

(ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, (1957 का 58) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क ;

(iii) उपरोक्त खंड (क) और खंड (ख) के अधीन विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क के समतुल्य सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अधीन धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, का उपयोग केवल विनिर्माता द्वारा विनिर्मित किसी अंतिम उत्पाद पर उक्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तु) अधिनियम या उक्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के संदाय या उन निवेशों या पूंजीगत मालों पर ऐसे शुल्क के संदाय के लिए किया जाएगा यदि ऐसे निवेशों को उसी रूप में हटाया जाता है।

(ग) निवेशों पर संदत्त शुल्क का सैनवेट प्रत्यय संव्युतित धागे (जिसके अन्तर्गत कर्षण व्यावर्त या कर्षण प्रबल्य सूत सम्मिलित हैं) जो उक्त पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 54.02 के अन्तर्गत आते हैं, जिनका विनिर्माण किसी स्वतंत्र संव्युतक किया जाता है अर्थात् ऐसे विनिर्माता जो पॉलिएस्टर के संव्युतित धागे (जिसके अन्तर्गत कर्षण व्यावर्त या कर्षण प्रबल्य सूत सम्मिलित हैं) जो शीर्ष सं. 54.02 के अन्तर्गत आते हैं, जिसके पश्चात् अपने कारखाने में (संयंत्र और मशीनरी) की सुविधा पहली अनुसूची के 5402.42 उपशीर्ष के अन्तर्गत आने वाले पॉलिएस्टर के भागतः सूत को अधिन्यस्त करने के लिए सुविधा नहीं है।

स्पष्टीकरण:—जहां किसी अन्य नियम या अधिसूचना के उपबन्धों में किसी निवेश या पूंजीगत माल पर संदत्त शुल्क के प्रत्यय की अनुपलब्धता की शर्त पर आंशिक या पूर्ण रूप से छूट देने का उपबन्ध नहीं है वहां, इस धारा के अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों पर ऐसे अन्य नियम या अधिसूचना के उपबन्ध प्रचलित होंगे।

57कग. केनवेट प्रत्यय अनुज्ञात करने के लिए शर्तें—(1) कारखाने या विनिर्माता के पास निवेशों की प्राप्ति पर निवेशों की बाबत प्रत्यय तुरंत लिया जा सकेगा।

(2)(क) दिए गए वित्तीय वर्ष में किसी भी समय किसी कारखाने में प्राप्त किए गए पूंजीगत माल की बाबत सैनवेट प्रत्यय केवल उसी वर्ष के दौरान ऐसे पूंजीगत माल पर संदत्त विनिर्दिष्ट शुल्क के पचास प्रतिशत से अनधिक की रकम के लिए लिया जा सकेगा।

(ख) उस वित्तीय वर्ष के पश्चात्पूर्वी किसी वित्तीय वर्ष में जिनमें विनिर्माता के कारखाने में पूंजीगत माल प्राप्त हुआ था सैनवेट प्रत्यय का अधिशेष लिया जा सकेगा, परंतु यह कि ऐसे पश्चात्पूर्वी वर्ष में अंतिम उत्पाद के विनिर्माता के कब्जे और उपयोग में पूंजीगत माल अभी भी है।

(ग) सैनवेट प्रत्यय ऐसे पूंजीगत माल के बारे में भी लिया जा सकेगा जो कारखाने में प्राप्त हो गया है, किन्तु 1 अप्रैल 2000 से पूर्व अधिष्ठापित नहीं किया गया है इस शर्त पर कि वित्त वर्ष 2000-2001 में पचास प्रतिशत से अधिक रकम के पूंजीगत माल पर, केनवेट प्रत्यय लिया जा सकेगा।

उदाहरण—कोई विनिर्माता 16 अप्रैल, 2000 को अपने कारखाने में मशीनरी प्राप्त करता है इस मशीनरी पर दो लाख रु. के सैनवेट का संदाय किया जाता है। विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 को अधिकतम एक लाख रु. का प्रत्यय ले सकेगा और अधिशेष पश्चात्पूर्वी वर्षों में ले सकेगा।

(3) किसी विनिर्माता को पूंजीगत माल पर संदत्त शुल्क की बाबत सैनवेट प्रत्यय अनुज्ञात किया जायेगा यदि विनिर्माता द्वारा पूंजीगत माल किसी वित्तीय कंपनी से पट्टे, अवक्रय या उधार के करार पर लिया गया हो।

(4) पूंजीगत माल की बाबत सेनवेट प्रत्यय पूंजीगत माल के मूल्य के उस भाग की बाबत अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जो ऐसे पूंजीगत माल पर जिसके लिए विनिर्माता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 32 के अधीन अवक्षयण का दावा करता है, शुल्क की रकम का प्रतिनिधित्व करता है।

(5)(क) सेनवेट प्रत्यय तब अनुज्ञात किया जाएगा यदि किसी निवेश या पूंजीगत माल प्रसंस्कृत किए जाने के पश्चात् किसी कार्य कर्मकार को पुनः प्रसंस्करण, परीक्षण, मरम्मत, पुनःअनुकूलन या किसी अन्य प्रयोजन के लिए भेजा जाता है, और निर्धारित द्वारा सेनवेट प्रत्यय के लिए प्रस्तुत किए अभिलेख, चालान या ज्ञापन या दस्तावेज द्वारा यह स्थापित हो जाता है कि माल कार्य कर्मकार को उन्हें भेजे जाने के 180 दिन के भीतर कारखाने में वापस प्राप्त हो गए हैं। यदि, निवेश या पूंजीगत माल 180 दिन के भीतर कारखाने में वापस नहीं प्राप्त होते हैं, तब विनिर्माता निवेश या पूंजीगत माल पर मिलने वाले सेनवेट प्रत्यय के बराबर रकम सेनवेट प्रत्यय में विकलन या अन्य रूप से संदाय करेगा। विनिर्माता निवेश या पूंजीगत माल पुनः वापस कारखाने में प्राप्त करने पर पुनः सेनवेट प्रत्यय ले सकेगा।

(ख) किसी अंतिम उत्पाद के विनिर्माता द्वारा किसी कार्य कर्मकार को उसके निमित्त उसके विनिर्देशों के अनुसार माल के उत्पादन के लिए भेजे गए संच और रूपदाओं की बाबत भी सेनवेट प्रत्यय के अनुज्ञात किया जाएगा।

(6) वह केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त जिसकी उस अंतिम उत्पाद विनिर्माता के कारखाने पर अधिकारिता है, जिसने कार्य कर्मकार को अपने कारखाने से बाहर निवेश या आंशिक रूप से प्रसंस्कृत निवेश भेजे हैं, ऐसे निवेश या आंशिक रूप से प्रसंस्कृत निवेश के प्रत्येक बार हटाए जाने में एक आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो राजस्व के हित में, जिसके अंतर्गत शुल्क, यदि उद्ग्रहणीय हो, जिनका संदाय किया जाना भी है, कार्य कर्मकार के परिसर से तैयार माल की निकासी अनुज्ञात कर सकेगा।

(7) जहां ऐसे किन्हीं निवेशों का अंतिम उत्पाद में उपयोग किया गया है, जिनकी किसी बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए निकासी की गई है या निर्यात के लिए निकासी किए गए मध्यवर्ती उत्पादों में उपयोग किया गया है, इस प्रकार उपयोग किए गए निवेशों की बाबत सेनवेट प्रत्यय, अनुज्ञात किया जाएगा जिनका विनिर्माता द्वारा घरेलू खपत के लिए निकासी किए गए किसी अंतिम उत्पाद के उत्पाद शुल्क के संदाय के मद्दे या शुल्क के संदाय पर निर्यात के लिए उपयोग किया जाएगा और जहां किसी कारण से ऐसा समायोजन संभव नहीं है, वहां विनिर्माता को ऐसे रक्षोपायों, शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, प्रतिसंदाय के लिए अनुज्ञात किया जाएगा। तथापि प्रत्यय का कोई प्रतिसंदाय तब अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब विनिर्माता सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वापसी नियम, 1995 के अधीन अनुसार वापसी प्राप्त करता है या ऐसे शुल्क की बाबत नियम 12 के अधीन किसी मोक का दावा करता है।

57कघ : शुल्क और छूट प्राप्त माल के विनिर्माता की बाध्यता.—(1) सेनवेट प्रत्यय, निवेश की उस मात्रा पर, जिसका प्रयोग छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में प्रयोग हुआ हो, उपनियम (2) में वर्णित दशा के अलावा, नहीं मिलेगा।

(2) जहां विनिर्माता उस निवेश के सिवाय जिनका ईंधन के क्रय में उपयोग आशयित है किसी निवेश की बाबत सेनवेट प्रत्यय प्राप्त करता है और ऐसे अंतिम उत्पादों का विनिर्माण करता है, जिनपर छूट प्राप्त माल के साथ शुल्क प्रभाय है, तब विनिर्माता, शुल्क अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में उपयोग के लिए आशयित निवेशों की रसोद, खपत और मांगपत्रों और छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में उपयोग के लिए आशयित निवेशों की मात्रा का पृथक लेखा रखेगा और केवल निवेशों की उस मात्रा का, जो शुल्क योग्य मालों के विनिर्माण में उपयोग के लिए आशयित है, सेनवेट प्रत्यय लेगा। विनिर्माता पृथक लेखा न रखने का विकल्प करता है तो वह उसको लागू निम्नलिखित शर्तों में से किसी का पालन करेगा, अर्थात् :—

(क) यदि छूट प्राप्त माल,—

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की अनुसूची के अध्याय 50 से 63 के अधीन आने वाले अंतिम उत्पाद है ;
- (ii) अध्याय 40 के अंतर्गत आने वाले पशुचालित यान या हाथगाड़ों में उपयोग किए जाने वाले टायरों और ट्यूब की किस्म ;
- (iii) अध्याय 85 के अंतर्गत आने वाले ब्लेक और व्हाइट टेलीवीजन सेट ;
- (iv) अध्याय शीर्ष सं० 48.01 के अंतर्गत आने वाले अखबारी कागज रोलों में या शीटों में,

विनिर्माता, कारखाने से उनकी निकासी के समय, ऐसे अंतिम उत्पादों में प्रयुक्त या उनके विनिर्माण में प्रयुक्त निवेशों से होने वाले सेनवेट प्रत्यय के समतुल्य किसी रकम का संदाय करेगा ; या

(ख) यदि छूट प्राप्त माल ऊपर खंड (क) में वर्णित से भिन्न हैं तो विनिर्माता द्वारा कारखाने से उनकी निकासी के समय ऐसे माल के विक्रय के लिए प्रभारित कीमत जो विनिर्माता अपने कारखाने से निकासी के समय वसूल करता है के आठ प्रतिशत जिसमें ब्रिकी कर तथा अन्य कर नहीं शामिल हो, के बराबर रकम का संदाय करेगा।

स्पष्टीकरण:—शंकाओं को दूर करने के लिए यह प्रमाणित किया जाता है कि सेनवेट प्रत्यय, निवेश की ऐसी मात्रा पर, जो छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में उपयोग की गई है, अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(3) ऐसे पूंजीगत माल पर जो अनन्य रूप से छूट प्राप्त माल (उन अंतिम उत्पादों से भिन्न, जिनपर किसी अधिसूचना के अधीन जहाँ किसी वित्तीय वर्ष में निकासी की गई वस्तु के मूल्य या मात्रा के आधार पर छूट दी जाती है, उस पर उद्गहणीय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट दी गई है) विनिर्दिष्ट शुल्क का प्रत्यय अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(4) उपनियम (1), उपनियम (2) और उपनियम (3) के उपबंध उस दशा में लागू नहीं होंगे जब छूट प्राप्त माल निम्नलिखित में से कोई है,—

- (i) किसी मुक्त व्यापार जोन की इकाई को की गई निकासी; या
- (ii) किसी शत प्रतिशत निर्यातानुत्पन्न उपक्रम को की गई निकासी; या
- (iii) किसी हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क या सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की किसी इकाई को की गई निकासी; या
- (iv) संयुक्त राष्ट्र संघ या किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन या उनके द्वारा वित्तपोषित परियोजना को उनके सरकारी उपयोग के लिए किया गया प्रदाय जिस पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 108/95—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 अगस्त, 1995 के अधीन उपलब्ध शुल्क की छूट उपलब्ध है; या
- (v) नियम 13 के उपबंधों के निबंधनों के अनुसार बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए की गई निकासी।

57. कड : दस्तावेज और लेखा—(1) सेनवेट प्रत्यय निम्नलिखित किन्हीं दस्तावेजों के आधार पर विनिर्माता द्वारा लिए जाएंगे, अर्थात् :—

- (क) नियम 52 क या नियम 52 कक या नियम 100ड के अधीन उसके कारखाने या उसके डिपो से या उक्त निर्माता के परेषण अभिकर्ता के परिसरों से या किसी ऐसे अन्य परिसरों, जहाँ माल उक्त विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से बेचा जाता है, से निवेशों के विनिर्माता द्वारा जारी बीजक ;
- (ख) प्रवेश पत्र ;
- (ग) नियम 52 कक के अधीन शुल्क्य माल के प्रथम प्रक्रम वाले व्यौहारी द्वारा जारी बीजक ;
- (घ) नियम 52 कक के अधीन शुल्क्य माल के द्वितीय प्रक्रम वाले व्यौहारी द्वारा जारी बीजक ;
- (ङ) नियम 52 कक के अधीन आयातकर्ता द्वारा जारी बीजक ;
- (च) किसी आयातकर्ता द्वारा उसके डिपो से या उक्त आयातकर्ता के परेषण अभिकर्ता के परिसर से जारी किया गया बीजक, परन्तु, यथास्थिति, उक्त डिपो या परिसर नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है ;
- (छ) नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकृत और उचित अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित आयातित माल के प्रथम प्रक्रम या द्वितीय प्रक्रम वाले व्यौहारी द्वारा जारी बीजक ;
- (ज) इस प्रकार निवेशों की निकासी के लिए अंतिम उत्पाद के विनिर्माता द्वारा जारी बीजक।

स्पष्टीकरण—इस धारा के प्रयोजनों के लिए,—

- (i) “प्रथम प्रक्रम वाला व्यौहारी” से ऐसा व्यौहारी अभिप्रेत है जो माल सीधे निम्नलिखित से क्रय करता है :—

(क) नियम 52 क या नियम 100ड के अधीन जारी किए गए बीजक पर विनिर्माता से या उक्त विनिर्माता के परेषण अभिकर्ता के परिसर से या किसी अन्य ऐसे परिसर से, जहाँ से माल उक्त विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से किसी बीजक पर क्रय किया जाता है ; या

(ख) बीजक पर आयातकर्ता या आयातकर्ता के डिपो से या आयातकर्ता के परेषण अभिकर्ता के परिसरों से, बीजक ;

- (ii) “द्वितीय प्रक्रम वाला व्यौहारी” से ऐसा व्यौहारी अभिप्रेत है जो प्रथम प्रक्रम वाले व्यौहारी से माल क्रय करता है।

(2)(क) विनिर्माता यह सुनिश्चित करने के लिए सभी ऐसे युक्तियुक्त कदम उठाएगा कि ऐसे निवेश या पूंजी माल जिनकी बाबत उसने केनवेट प्रत्यय लिया है, ऐसे माल हैं जिन पर माल के साथ लगे दस्तावेजों में यथाउपदर्शित उत्पाद शुल्क संदत्त किया गया है।

(ख) प्रथम प्रक्रम वाले या पूंजी माल की बाबत केनवेट प्रत्यय केवल तब अनुज्ञात किए जाएंगे जब यदि ऐसे व्यौहारी ने ऐसे तथ्य उपदर्शित करते हुए अभिलेखों को बनाए रखा है कि निवेश या पूंजी माल ऐसे स्टॉक से प्रदाय किए गए थे जिन पर ऐसे निवेश या पूंजी माल के उत्पादकों द्वारा शुल्क संदत्त किया गया था और मात्रानुपाती आधार पर ऐसे शुल्क की कुल रकम उसको जारी बीजक में उपदर्शित की गई है।

स्पष्टीकरण—अवधारण करने के प्रयोजन के लिए नियम 173-4 के अधीन स्पष्टीकरण के उपबंध यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे चाहे विनिर्माता ने इस उपनियम द्वारा यथा अपेक्षित युक्तियुक्त उपाय किए हों।

(3) अंतिम उत्पादों का विनिर्माता निवेशों और पूंजीमाल की प्राप्ति व्ययन, उपयोग का समुचित अभिलेखा और एक सूची बनाए रखेगा जिसमें निवेशों या पूंजीमाल का मूल्य संदत्तशुल्क और जिस व्यक्ति से वह क्रय किया गया है, के अभिलेख की सुसंगत जानकारी होगी। केनवेट प्रत्यय की अनुज्ञेयता की बाबत साबित करने का भार उस विनिर्माता पर होगा जो ऐसा प्रत्यय ले रहा है।

(4) अंतिम उत्पादों का विनिर्माता प्रत्येक मास की समाप्ति से पांच दिन के भीतर विहित प्ररूप में एक मासिक विवरण, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को प्रस्तुत करेगा।

स्पष्टीकरण—किसी वित्तीय वर्ष में विनिर्माता मूल्य या निकासी की मात्रा पर आधारित कोई छूट प्राप्त कर रहा है तो इस नियम के उपबंधों का प्रभाव उस वित्तीय वर्ष में इस प्रकार होगा कि मानों पद "मास" के स्थान पर पद "तिमाही" रख दिया गया हो।

57कच. प्रत्यय का अंतरण—(1) यदि किसी अंतिम उत्पादों का विनिर्माता किसी अन्य स्थान पर अपने कारखाने का स्थान परिवर्तन करता है या स्वामित्व में परिवर्तन के कारण या विक्रय, विलयन, आमेसन, पट्टा के कारण कारखाना स्थानांतरित किया जाता है या ऐसे कारखानों की देनदारियों के अंतरण के लिए विनिर्दिष्ट उपबंध सहित संयुक्त उद्यम को कारखाना के स्थानांतरण किया जाता है तो विनिर्माता ऐसे अंतरित, विक्रीत, विलयित, पट्टे पर ली गई या आमेलित कारखाने को उसके लेखों में उपयोग न की गई केनवेट प्रत्यय को अंतरण करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन केनवेट का अंतरण केवल तभी अनुज्ञात किया जाएगा जब निवेश का स्टॉक उतने निवेश का या निवेश प्रक्रिया में या पूंजी माल का भी कारखाने सहित किसी नए स्थान पर या स्वामित्व और निवेशों, या पूंजी माल जिन पर प्रत्यय लिया गया है, अंतरित किया जाता है, तो आयुक्त के समाधानप्रद रूप में उनका लेखा जोखा दिया जाता है।

57कछ. संक्रमणकालीन उपबंध.—(1) नियम 57क, नियम 57ख या नियम 5ध जैसे कि वे 1 अप्रैल, 2000 के पूर्व विद्यमान थे के अधीन विनिर्माता अर्जित प्रत्यय की कोई राशि और उस दिन शेष अनुप्रयुक्त राशि इन नियमों के अधीन ऐसे विनिर्माता को केनवेट प्रत्यय के रूप में अनुज्ञात होगी और इन नियमों के अधीन और इन नियमों के अनुसार उपयोग किए जाने के लिए अनुज्ञात की जाएगी।

(2) विनिर्माता से जो उसके द्वारा विनिर्मित माल पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से, किसी अधिसूचना के अंतर्गत, जो किसी वित्तीय वर्ष में मूल्य पर या निकासी की मात्रा पर आधारित है, छूट के लिए विकल्प देता है और ऐसा विकल्प का प्रयोग करने से पूर्व निवेशों पर संदत्त शुल्क प्रत्यय का लाभ ले रहा है, प्रत्यय की समतुल्य रकम, यदि कोई है, का संदाय करने के लिए, अपेक्षा की जाएगी, उसे तब अनुज्ञात होगी जब उस तारीख को स्टॉक में पड़े निवेशों या स्टॉक में तैयार शुल्क्य माल का उपयोग किया जाता है और अतिशेष में से, यदि कोई है, उक्त राशि की कटौती करके उसके खाते में पड़ा अतिशेष, यदि कोई है, अब भी रह जाता है तो वह व्यपगत हो जाएगा और उसे किसी शुल्क्य माल पर शुल्क के संदाय के लिए उपयोग करने के लिए अनुज्ञात नहीं की जाएगी चाहे ऐसी निकासी घरेलू उपयोग के लिए हो या निर्यात के लिए।

(3)(क) किसी आत्मनिर्भर वस्त्र विनिर्माता से; जिसने उक्त प्रथम अनुसूची की शीर्ष सं. 54.02 के अधीन आने वाले पालिस्टर के वस्त्र निर्मित सूत (जिसमें बटा हुआ या लपेटा हुआ सूत भी है) के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त निवेशों पर संदत्त शुल्क का प्रत्यय का लाभ लिया है तो 1 मार्च, 2000 या इसके पश्चात् स्टॉक में पड़े, उक्त प्रथम अनुसूची की शीर्ष सं. 54.02 के अधीन आने वाले पालिस्टर के वस्त्र निर्मित सूत (जिसमें बटा हुआ सूत या लपेटा हुआ सूत भी है) के विनिर्मित सूत के विनिर्माण में, स्टॉक में पड़े हुए या प्रयुक्त ऐसे निवेशों की बाबत उसके अनुज्ञात प्रत्यय के समतुल्य किसी रकम, यदि कोई है, का संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी।

(ख) किसी आत्मनिर्भर वस्त्र विनिर्माता, जो उक्त प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं. 54.02 में आने वाले वस्त्र निर्मित सूत (जिसमें बटा हुआ या लपेटा हुआ सूत भी है) एवं अन्य माल का विनिर्माण करता है को केनवेट प्रत्यय, इन निवेशों पर जिनका इनके निर्माण में प्रयोग होता हो एवं जो 1 मार्च, 2000 के स्टॉक में थे या जो 1 मार्च, 2000 तथा उसके बाद कारखाने में प्राप्त हुए हों।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए आत्मनिर्भर वस्त्र विनिर्माता से कोई ऐसा विनिर्माता अभिप्रेत है जो उक्त प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं. 54.02 के अधीन आने वाले पालिस्टर के वस्त्र निर्मित सूत (जिसमें बटा हुआ सूत या लपेटा हुआ सूत भी है) के विनिर्माण में लगा हुआ और जिसके पास उक्त प्रथम अनुसूची के उप शीर्ष सं. 54.02.42 के अधीन आने वाले पालिस्टर अंशतः अनुस्थापित सूत का विनिर्माण के लिए अपने कारखाने (जिसमें संयंत्र और मशीनरी भी है) में सुविधा नहीं है।

57कज. सदोष लिए गए प्रत्यय की वसूली.—(1) जहां पर केनवेट प्रत्यय को सदोष लिया गया है या उसका उपयोग किया गया है, तो वहां उसे ब्याज सहित विनिर्माता से वसूल किया जाएगा और अधिनियम की धारा 11क, 11कक और 11कख के उपबंध ऐसी वसूलियां करने के लिए आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

(2) जहां केनवेट प्रत्यय कपट, जानबूझ कर किया गया मिथ्या कथन, सांठगांठ या तथ्यों को छिपाने, या शुल्क के संदाय से बचने के आशय के लिए अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम के उपबंध के अतिरिक्त के कारण सदोष प्राप्त किया गया है या उपयोग किया गया है, तो वहां विनिर्माता शास्ति का संदाय करने का भी दायी होगा और अधिनियम की धारा 11कग के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

57कझ. विशेष उत्पाद-शुल्क का प्रत्यय.—इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अंतिम उत्पादों का कोई विनिर्माता उक्त प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष सं० 2401.90, 2404.99, 5402.20, 5402.32, 5402.42, 5402.43, 5402.52, 5402.62, 8415.00, 8702.10, 8703.90, 8706.21 और 8706.39 के अधीन आने वाले माल जो 1 मार्च, 2000 को या इसके पश्चात् उसके कारखाने को प्राप्त हो गया है के संबंध में; केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 के अधीन उद्ग्रहणीय, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क का प्रत्यय लेने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

57कज. उत्तरपूर्व प्रदेश के विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में अवस्थित कारखानों में विनिर्मित निवेशों की बाबत विशेष अभिमुक्ति.—इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां विनिर्माता ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की तारीख 8 जुलाई, 1999 की अधिसूचना सं. 32/99 या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की तारीख 8 जुलाई, 1999 की अधिसूचना सं. 33/99 के निबंधनों के अनुसार किसी निवेश या पूंजी माल की निकासी की है, वहां ऐसे निवेशों या पूंजी माल पर संदत्त शुल्क का केनवेट प्रत्यय इस प्रकार अनुज्ञेय होगा मानों किसी उक्त अधिसूचना के अधीन ऐसे निवेशों या पूंजीमाल पर संदत्त शुल्क का कोई भाग छूट प्राप्त नहीं था।

57कट. समझे गए प्रत्यय के लिए माल को अधिसूचित करने की केन्द्रीय सरकार की शक्ति.—केन्द्रीय सरकार, नियम 57ख में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी राजपत्र में, अधिसूचना द्वारा ऐसे निवेशों को घोषित कर सकेगी जिन पर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अधीन संदत्त उत्पाद-शुल्क या अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क, उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट ऐसी दर या ऐसी रकम के समतुल्य पर संदत्त किए गए समझे जायेंगे और ऐसे शुल्क का प्रत्यय, ऐसी रीति और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए संदत्त किया गया समझा जाएगा जो उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाएं, अनुज्ञात किया जाएगा, भले ही उक्त अधिसूचना में घोषित किन्तु उक्त तैयार उत्पादों में अंतर्विष्ट निवेशों का तैयार उत्पादों के विनिर्माता ने सीधा उपयोग न किया हो।

3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियम 2000 में, नियम 7 में, उपनियम (i) खंड (1)(ख) में,—

- (i) "ऐसे चालू खाते का विकलन करके उसके शुल्क की देनदारी का निर्वहन किया जाएगा" शब्दों के स्थान पर "ऐसे चालू खाते या केनवेट प्रत्यय का उपयोग करके विकलन द्वारा उसके शुल्क की देनदारी का निर्वहन किया जाएगा" शब्द रखे जायेंगे।
- (ii) उपखंड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित उपखंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- (iii) प्रत्येक पखवाड़े के अंत में, विनिर्माता पखवाड़े के दौरान हटाए गए शुल्क्य माल पर संदेय उत्पाद-शुल्क की कुल रकम का अवधारण करेगा और वह, यथास्थिति, चालू खाते या केनवेट प्रत्यय के उपयोग में प्रत्यय प्रविष्ट करके इस प्रकार संदेय कुल शुल्क देनदारी का निर्वहन करेगा।

[फा. सं. बी-4/5/2000-टीआरयू]

संजीव सचदेव, उप सचिव

टिप्पण—मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. 11/2000-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एनटी) तारीख 1 मार्च, 2000 सा.का.नि. 203(अ) तारीख 1 मार्च, 2000 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 27/2000-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 298 (E).— In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following rules to amend the Central Excise (Second Amendment) Rules, 2000.

1. These rules may be called the Central Excise [Second Amendment (Amendment)] Rules, 2000.
2. In the Central Excise (Second Amendment) Rules, 2000, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:-
- ‘5. For rules 57A to 57V of the said rules, the following rules shall be substituted with effect from the 1st day of April, 2000, namely:-

“AA. CREDIT OF DUTY PAID ON EXCISABLE GOODS USED AS INPUTS OR CAPITAL GOODS

57AA. Definitions. – For the purpose of this section,-

(a) “capital goods” means –

- (i) all goods falling under Chapter 82, Chapter 84, Chapter 85, Chapter 90, heading No. 68.02 and sub-heading No. 6801.10 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985;
- (ii) components, spares and accessories of the goods specified at (i) above;
- (iii) moulds and dies;
- (iv) refractories and refractory materials;
- (v) tubes and pipes and fittings thereof, used in the factory; and
- (vi) pollution control equipment,

used in the factory of the manufacturer of the final products.

Explanation. – For removal of doubts, it is hereby clarified that “capital goods” do not include any equipment or appliances used in an office.

- (b) “exempted goods” means goods which are exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon, and includes goods which are chargeable to “Nil” rate of duty;
- (c) “final products” means excisable goods manufactured or produced from inputs, except matches;
- (d) “input” means all goods, except high speed diesel oil and motor spirit, commonly known as petrol, used in or in relation to the manufacture of final products whether directly or indirectly and whether contained in the final product or not, and includes accessories of the final products cleared along with the final product, goods used as paint, or as packing material, or as fuel, or for generation of electricity or steam used for manufacture of final products or for any other purpose, within the factory of production, and also includes lubricating oils, greases, cutting oils and coolants.

Explanation. – The high speed diesel oil or motor spirit, commonly known as petrol, shall not be treated as an input for any purpose whatsoever.

57AB. CENVAT credit. – (1) A manufacturer or producer of final products shall be allowed to take credit (hereinafter referred to as the CENVAT credit) of,-

- (i) the duty of excise specified in the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the said First Schedule), leviable under the Act;
 - (iv) the duty of excise specified in the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985, leviable under the Central Excise Act, 1944 in relation to the goods falling under sub-heading Nos. 2401.90, 2404.99, 5402.20, 5402.32, 5402.42, 5402.43, 5402.52, 5402.62, 8415.00, 8702.10, 8703.90, 8706.21 and 8706.39 of the said First Schedule;
 - (iii) the additional duty of excise leviable under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978);
 - (iv) the additional duty of excise leviable under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
 - (v) the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975, equivalent to the duty of excise specified under clauses (i), (ii), (iii) and (iv) above,
- paid on any inputs or capital goods received in the factory on or after the first day of April, 2000.

Explanation.— For removal of doubts it is clarified that the manufacturer of the final products shall be allowed CENVAT credit of additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) on goods falling under Chapter heading No. 98.01 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act.

(b) The CENVAT credit may be utilized for payment of any duty of excise on any final products manufactured by the manufacturer or for payment of duty on inputs or capital goods themselves if such inputs are removed as such or after being partially processed, or such capital goods are removed as such.

Explanation.— When inputs or capital goods are removed from the factory, the manufacturer of the final products shall pay the appropriate duty of excise leviable thereon as if such inputs or capital goods have been manufactured in the said factory, and such removal shall be made under the cover of an invoice prescribed under rule 52A.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1)–

(a) credit of duty in respect of inputs or capital goods produced or manufactured–

- (i) in a free trade zone and used in the manufacture of the final products in any other place in India; or
- (ii) by a hundred per cent. export-oriented undertaking or by a unit in an Electronic Hardware Technology Park or Software Technology Parks and used in the manufacture of the final products in any place in India,

shall be restricted to the extent which is equal to the additional duty leviable on like goods under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 paid on such inputs;

(b) credit in respect of–

- (i) the additional duty of excise under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978);
- (ii) the additional duty of excise under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
- (iii) the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975, equivalent to the duty of excise specified under clauses (a) and (b) above

shall be utilized only towards payment of duty of excise leviable under the said Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, or under the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, on any final products manufactured by the manufacturer or for payment of such duty on inputs themselves if such inputs are removed as such or after being partially processed.

(c) CENVAT credit of the duty paid on the inputs shall not be allowed in respect of texturised yarn (including draw-twisted or draw-wound yarn) of polyesters falling under heading No. 54.02 of the said First Schedule, manufactured by an independent texturiser, that is to say, a manufacturer engaged in the manufacture of texturised yarn (including draw-twisted or draw-wound yarn) of polyesters falling under heading No. 54.02, who does not have the facility in his factory (including plant and machinery) for manufacture of partially oriented yarn of polyesters falling under sub-heading No. 5402.42 of the said First Schedule.

Explanation. — Where the provisions of any other rule or notification provide for grant of partial or full exemption on condition of non-availability of credit of duty paid on any input or capital goods, the provisions of such other rule or notification shall prevail over the provisions of the rules made under this section.

57AC. Conditions for allowing CENVAT credit.— (1) The CENVAT credit in respect of inputs may be taken immediately on receipt of the inputs in the factory of the manufacturer.

(2) (a) The CENVAT credit in respect of capital goods received in a factory at any point of time in a given financial year shall be taken only for an amount not exceeding fifty per cent. of the duty paid on such capital goods in the same financial year.

(b) The balance of CENVAT credit may be taken in any financial year subsequent to the financial year in which the capital goods were received in the factory of the manufacturer, provided that the capital goods are still in the possession and use of the manufacturer of final products in such subsequent years.

(c) CENVAT credit may also be taken in respect of such capital goods as have been received in the factory, but have not been installed, before the 1st day of April, 2000 subject to the condition that during the financial year 2000-2001, the credit shall be taken for an amount not exceeding fifty per cent. of the duty paid on such capital goods.

Illustration.— A manufacturer received machinery on April 16, 2000 in his factory. CENVAT of two lakh rupees is paid on this machinery. The manufacturer can take credit upto a maximum of one lakh rupees in the financial year 2000-2001, and the balance in subsequent years.

(3) The CENVAT credit in respect of duty paid on the capital goods shall be allowed to a manufacturer even if the capital goods are acquired by the manufacturer on lease, hire purchase or loan agreement, from a financing company.

(4) The CENVAT credit in respect of capital goods shall not be allowed in respect of that part of the value of capital goods which represents the amount of duty on such capital goods, which the manufacturer claims as depreciation under section 32 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(5) (a) The CENVAT credit shall be allowed even if any inputs or capital goods as such or after being partially processed are sent to a job worker for further processing, testing, repair, re-conditioning or any other purpose, and it is established from the records, challans or memos or any other document produced by the assessee availing the CENVAT credit that the goods are received back in the factory within 180 days of their being sent to a job worker. If the inputs or the capital goods are not received back within 180 days, the manufacturer shall pay an amount equivalent to the CENVAT credit attributable to the inputs or capital goods by debiting the CENVAT credit or otherwise. However, the manufacturer can take the CENVAT credit again when the inputs or capital goods are received back in his factory.

(b) CENVAT credit shall also be allowed in respect of moulds and dies sent by a manufacturer of final products to a job worker for the production of goods on his behalf and according to his specifications.

(6) The Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the factory of the manufacturer of the final products who has sent the inputs or partially processed inputs outside his factory to a job-worker may, by an order in each removal of such inputs or partially processed inputs, and subject to such conditions as he may impose in the interest of revenue including the manner in which duty, if leviable, is to be paid, allow finished goods to be cleared from the premises of the job-worker.

(7) Where any inputs are used in the final products which are cleared for export under bond or used in the intermediate products cleared for export, the CENVAT credit in respect of the inputs so used shall be allowed to be utilized by the manufacturer towards payment of duty of excise on any final products cleared for home consumption or for export on payment of duty and where for any reason such adjustment is not possible, the manufacturer shall be allowed refund of such amount subject to such safeguards, conditions and limitations as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette. No refund of credit shall, however, be allowed if the manufacturer avails of drawback allowed under the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995, or claims a rebate of duty under rule 12, in respect of such duty.

57AD. Obligation of manufacturer of dutiable and exempted goods.- (1) CENVAT credit shall not be allowed on such quantity of inputs which is used in the manufacture of exempted goods, except in the circumstances mentioned in sub-rule (2).

(2) Where a manufacturer avails of CENVAT credit in respect of any inputs, except inputs intended to be used as fuel, and manufactures such final products which are chargeable to duty as well as exempted goods, then, the manufacturer shall maintain separate accounts for receipt, consumption and inventory of inputs meant for use in the manufacture of dutiable final products and the quantity of inputs meant for use in the manufacture of exempted goods and take CENVAT credit only on that quantity of inputs which is intended for use in the manufacture of dutiable goods. The manufacturer, opting not to maintain separate accounts shall follow either of the following conditions, as applicable to him, namely:-

(a) if the exempted goods are,-

(i) final products falling under Chapters 50 to 63 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 ;

(ii) tyres of a kind used on animal drawn vehicles or handcarts and their tubes, falling within Chapter 40;

(iii) black and white television sets, falling within Chapter 85;

(iv) newsprint, in rolls or sheets, falling within Chapter heading No.48.01,

the manufacturer shall pay an amount equivalent to the CENVAT credit attributable to inputs used in or in relation to the manufacture of such final products at the time of their clearance from the factory, or

(b) if the exempted goods are other than those described in clause (a) above, the manufacturer shall pay an amount equal to eight per cent. of the total price, excluding sales tax and other taxes, if any, paid on such goods, of the exempted final product charged by the manufacturer for the sale of such goods at the time of their clearance from the factory.

Explanation.- The amount mentioned in (a) and (b) above shall be paid by the manufacturer by debiting the CENVAT credit or otherwise.

(3) No credit of the specified duty shall be allowed on capital goods which are used exclusively in the manufacture of exempted goods (other than final products which are exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon under any notification where exemption is granted based upon the value or quantity of clearances made in a financial year).

(4) The provisions of sub-rule (1), sub-rule (2) and sub-rule (3) shall not be applicable in case the exempted goods are either,-

(i) cleared to a unit in a free trade zone; or

(ii) cleared to a hundred per cent. Export-oriented undertaking; or

(iii) cleared to a unit in an Electronic Hardware Technology Park or Software Technology Parks; or

(iv) supplied to the United Nations or an international organization for their official use or supplied to projects funded by them, on which exemption of duty is available under notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.108/95-Central Excises, dated 28th August, 1995; or

(v) cleared for export under bond in terms of the provisions of rule 13.

57AE. Documents and accounts.- (1) The CENVAT credit shall be taken by the manufacturer on the basis of any of the following documents, namely :-

(a) an invoice issued by a manufacturer of inputs or capital goods under rule 52A or 52AA or rule 100E from his factory or from his depot or from the premises of the consignment agent of the said manufacturer or from any other premises from where the goods are sold by or on behalf of the said manufacturer;

(b) a bill of entry;

(c) an invoice issued by a first stage dealer of excisable goods under rule 52AA;

(d) an invoice issued by a second stage dealer of excisable goods under rule 52AA;

- (e) an invoice issued by an importer under rule 52AA;
- (f) an invoice issued by an importer from his depot or from the premises of the consignment agent of the said importer provided the said depot or the premises, as the case may be, is registered under rule 174;
- (g) an invoice issued by a first stage or second stage dealer of imported goods registered under rule 174;
- (h) an invoice issued by a manufacturer of final products for clearance of inputs or capital goods as such.

Explanation. - For the purposes of this section,-

- (i) "first stage dealer" means a dealer who purchases the goods directly from-
 - (a) the manufacturer under the cover of an invoice issued under rule 52A or rule 100E or from the depot of the said manufacturer, or from premises of the consignment agent of the said manufacturer or from any other premises from where the goods are sold by or on behalf of the said manufacturer, under cover of an invoice; or
 - (b) an importer or from the depot of an importer or from the premises of the consignment agent of the importer, under cover of an invoice;
- (ii) "second stage dealer" means a dealer who purchases the goods from a first stage dealer.

(2) (a) The manufacturer shall take all reasonable steps to ensure that the inputs or capital goods in respect of which he has taken the CENVAT credit are goods on which the appropriate duty of excise as indicated in the documents accompanying the goods, has been paid.

(b) The CENVAT credit in respect of inputs or capital goods purchased from a first stage or second stage dealer shall be allowed only if such dealer has maintained records indicating the fact that the inputs or capital goods were supplied from the stock on which duty was paid by the producer of such inputs or capital goods and only an amount of such duty on pro rata basis has been indicated in the invoice issued by him.

Explanation.- The provisions of the explanation under rule 173Q shall apply mutatis mutandis for the purpose of determining whether the manufacturer has taken reasonable steps as required by this sub-rule.

(3) The manufacturer of final products shall maintain proper records for the receipt, disposal, consumption and inventory of the inputs and capital goods in which the relevant information regarding the value, duty paid, the person from whom the inputs or capital goods have been purchased is recorded and the burden of proof regarding the admissibility of the CENVAT credit shall lie upon the manufacturer taking such credit.

(4) The manufacturer of final products shall submit within five days from the close of each month to the Superintendent of Central Excise, a monthly return in the prescribed form.

Explanation. - In respect of a manufacturer availing of any exemption based on the value or quantity of clearances in a financial year, the provisions of this sub-rule shall have effect in that financial year as if for the expression "month", the expression "quarter" was substituted.

57AF. Transfer of credit.- (1) If a manufacturer of the final products shifts his factory to another site or the factory is transferred on account of change in ownership or on account of sale, merger, amalgamation, lease or transfer of the factory to a joint venture with the specific provision for transfer of liabilities of such factory, then, the manufacturer shall be allowed to transfer the CENVAT credit lying unutilized in his accounts to such transferred, sold, merged, leased or amalgamated factory.

(2) The transfer of the CENVAT credit under sub-rule (1) shall be allowed only if the stock of inputs as such or in process, or the capital goods is also transferred alongwith the factory to the new site or ownership and the inputs, or capital goods, on which credit has been availed of are duly accounted for to the satisfaction of the Commissioner.

57AG. Transitional provision.- (1) Any amount of credit earned by a manufacturer under rules 57A, 57B or 57Q, as they existed prior to 1st day of April, 2000 and remaining unutilized on that day shall be allowable as CENVAT credit to such manufacturer under these rules, and be allowed to be utilized in

accordance with these rules.

(2) A manufacturer who opts for exemption from the whole of the duty of excise leviable on goods manufactured by him under a notification based on the value or quantity of clearances in a financial year, and who has been availing of the credit of the duty paid on inputs before such option is exercised, shall be required to pay an amount equivalent to the credit, if any, allowed to him in respect of inputs lying in stock or used in any finished excisable goods lying in stock on the date when such option is exercised and after deducting the said amount from the balance, if any, lying in his credit, the balance, if any, still remaining shall lapse and shall not be allowed to be utilized for payment of duty on any excisable goods, whether cleared for home consumption or for export.

(3) (a) An independent texturiser who has availed of the credit of duty paid on inputs used for manufacture of texturised yarn (including draw-twisted or draw-wound yarn) of polyesters falling under heading No. 54.02 of the said First Schedule shall be required to pay an amount equivalent to the credit, if any, allowed to him in respect of such inputs lying in stock, or used in the manufacture of texturised yarn (including draw-twisted or draw-wound yarn) of polyesters falling under heading No. 54.02 of the said First Schedule lying in stock as on the 1st day of March, 2000, or thereafter.

(b) An independent texturiser who manufactures texturised yarn (including draw-twisted or draw-wound yarn) of polyesters falling under heading No. 54.02, and also other goods, shall be allowed to take CENVAT credit of the duty paid on inputs used for the manufacture of such other goods, lying in stock as on the 1st day of March, 2000 or received in his factory on or after the 1st day of March, 2000.

Explanation.- For the purposes of this sub-rule, 'independent texturiser' means a manufacturer engaged in the manufacture of texturised yarn (including draw-twisted or draw-wound yarn) of polyesters falling under heading No. 54.02 of the said First Schedule, and who does not have the facility in his factory (including plant and machinery) for manufacture of partially oriented yarn of polyesters falling under sub-heading No. 5402.42 of the said First Schedule.

57AH. Recovery of credit wrongly taken. – (1) Where the CENVAT credit has been taken or utilized wrongly, the same along with interest shall be recovered from the manufacturer and the provisions of sections 11A, 11AA and 11AB of the Act shall apply *mutatis mutandis* for effecting such recoveries.

(2) Where the CENVAT credit has been taken or utilized wrongly on account of fraud, willful misstatement, collusion or suppression of facts, or contravention of any of the provisions of the Act or the rules made thereunder with intention to evade payment of duty, then, the manufacturer shall also be liable to pay penalty and the provisions of section 11AC of the Act shall apply *mutatis mutandis*.

57AI. Credit of special excise duty. – Notwithstanding anything contained in these rules, a manufacturer of final products shall be allowed to take credit of the duty of excise specified in the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985, leviable under the Central Excise Act, 1944 in relation to the goods falling under sub-heading Nos. 2401.90, 2404.99, 5402.20, 5402.32, 5402.42, 5402.43, 5402.52, 5402.62, 8415.00, 8702.10, 8703.90, 8706.21 and 8706.39 of the said First Schedule received in his factory on or after the 1st day of March, 2000.

57 AJ. Special dispensation in respect of inputs manufactured in factories located in specified areas of North East region. – Notwithstanding anything contained in these rules, where a manufacturer has cleared any inputs or capital goods, in terms of notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 32/99- Central Excise, dated the 8th July, 1999, or notification No. 33/99- Central Excise, dated the 8th July, 1999, the CENVAT credit of duty paid on such inputs or capital goods shall be admissible as if no portion of the duty paid on such inputs or capital goods was exempted under any of the said notifications

57AK. Power of Central Government to notify goods for deemed credit.– Notwithstanding anything contained in rule 57AB, the Central Government may, by notification in the Official Gazette declare the inputs on which the duties of excise, or additional duty paid, shall be deemed to have been paid at such rate

or equivalent to such amount as may be specified in the said notification and allow credit of such duty deemed to have been paid in such manner and subject to such conditions as may be specified in the said notification even if the declared inputs are not used directly by the manufacturer of final products declared in the said notification, but are contained in the said final products.”.

3. In the Central Excise (Second Amendment) Rules, 2000, in rule 7, in sub-rule (i), in clause (1) (b),-

(i) for the words “ shall discharge his duty liability by debiting such account-current” the words “shall discharge his duty liability by debiting such account-current or by utilising CENVAT credit” shall be substituted;

(a) after sub-clause (ii), the following sub-clause shall be inserted, namely,-

“(iii) at the end of each fortnight, the manufacturer shall determine the total amount of excise duty payable on the excisable goods removed during the fortnight, and he shall discharge the total duty liability so payable by making debit entry in the account current or by utilising CENVAT credit, as the case may be.”.

[F No. B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy Secy

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.11/2000 -Central Excise (N.T.) dated the 1st March, 2000 vide GSR No.203 (E) dated the 1st March, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 28/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 299(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित निवेशों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “घोषित निवेश” कहा गया है) और अंतिम उत्पादों की घोषणा करती है, अर्थात् :-

क्रम सं.	निवेश	अंतिम उत्पाद
(1)	उक्त पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 51.05, 51.06, 51.07, 52.05, 52.06, 53.06, 53.07, 53.08, 54.02, 54.03, 54.04, 54.05, 55.01, 55.02, 55.03, 55.04, 55.05, 55.06, 55.07, 55.09, 55.10, 56.04, 56.05, या 56.06 के अंतर्गत आने वाला माल	किसी संयुक्त मिल द्वारा विनिर्मित निम्नलिखित माल, अर्थात् :- उक्त पहली अनुसूची के— (i) अध्याय 52 (सिवाय उप शीर्ष सं. 5207.10, 5208.10 और 5209.10) 54 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5406.10 और 5407.10) या 55 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5511.10, 5512.10, 5513.10 और 5514.10) के अंतर्गत आने वाली प्रसंस्कृत फैब्रिकें ; या (ii) शीर्ष सं. 58.01, 58.02, 58.06 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5806.20), 60.01, 60.02 (सिवाय उपशीर्ष सं. 6002.10) के अधीन आने वाले कपास या मानव निर्मित फाइबरों के फैब्रिक, चाहे प्रसंस्कृत हो या न हो।

1	2	3
(2)	(i) उक्त पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 51.05, 51.06, 51.07, 52.05, 52.06, 53.06, 53.07, 53.08,, 54.02, 54.03, 54.04, 54.05, 55.01, 55.02, 55.03, 55.04, 55.05, 55.06, 55.07, 55.09, 55.10, 56.04, 56.05, या 56.06 के अंतर्गत आने वाला माल	संयुक्त मिल से भिन्न किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित निम्नलिखित माल, अर्थात् :— (i) उक्त पहली अनुसूची के अध्याय 52 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5207.10, 5208.10 और 5209.10), 54 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5406.10 और 5407.10) या 55 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5511.10, 5512.10, 5513.10 और 5514.10); के अंतर्गत आने वाली प्रसंस्कृत फैब्रिकें ; या
	(ii) उक्त अनुसूची के अंतर्गत आने वाले रंजक, रसायन, खपने वाला सामान, पैकिंग की सामग्री।	(ii) शीर्ष सं. 58.01, 58.02, 58.06 (सिवाय उपशीर्ष सं. 5806.20) 60.01, 60.02 (सिवाय उपशीर्ष सं. 6002.10) के अंतर्गत आने वाली, कपास या मानवनिर्मित फाइबरों की फैब्रिकें चाहे प्रसंस्कृत हो या न हो
(3)	उक्त पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 52.05 या 52.06 के अंतर्गत आने वाला माल	संयुक्त मिल से भिन्न किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित निम्नलिखित माल, अर्थात् :— (क) उक्त पहली अनुसूची की शीर्ष सं. 58.03 के अधीन आने वाले माल। (ख) उक्त पहली अनुसूची के उप शीर्ष सं. 5901.10 के अधीन आने वाला बुक बाइंडिंग का कपड़ा।

2. केन्द्रीय सरकार यह अतिरिक्त घोषणा करती है कि—

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उत्पाद शुल्क;
- (ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन अतिरिक्त शुल्क ; या
- (iii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के अधीन अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

जिसे इसमें इसके पश्चात् घोषित शुल्क कहा गया है। घोषित निवेशों पर संदत्त की गई समझी जाएंगी और वे—

- (i) किसी संयुक्त मिल की दशा में,
(क) इसमें घोषित कपास के अंतिम उत्पादों पर (जिसमें कोई अन्य टैक्सटाइल सामग्री अंतर्विष्ट नहीं है), तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का 40 प्रतिशत;
(ख) उपखंड (क) में विनिर्दिष्ट उत्पादों से भिन्न अन्य अंतिम उत्पादों पर, तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का 50 प्रतिशत की दर से संगणित रकम के बराबर होगी।
- (ii) किसी संयुक्त मिल से भिन्न किसी विनिर्माता की दशा में,
(क) इसमें घोषित के अंतिम उत्पादों पर, (जिसमें कोई अन्य टैक्सटाइल सामग्री अंतर्विष्ट नहीं है) तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का 50 प्रतिशत;
(ख) उपखंड (क) में विनिर्दिष्ट से भिन्न अन्य अंतिम उत्पादों पर, तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का 60 प्रतिशत, की दर से संगणित रकम के बराबर होगी;

और इस प्रकार संदत्त समझी गई घोषित शुल्क की मुजरा उक्त अंतिम उत्पाद की निकासी के समय उक्त निवेशों पर शुल्क के संदाय के साक्ष्य के दस्तावेजों के प्रस्तुत किए बिना ही, अंतिम उत्पाद के विनिर्माता को अनुज्ञात की जाएगी।

3. उक्त निवेशों के संबंध में अनुज्ञात घोषित शुल्क की मुजरा, उक्त अंतिम उत्पाद पर उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के संदाय में ही उपयोग की जाएगी :

परंतु बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए निकासी किए गए अंतिम उत्पाद में प्रयुक्त निवेशों के संबंध में घोषित शुल्क को मुजरा का उपयोग, शुल्क का संदाय करके देशी उपभोग या निर्यात के लिए निकासी किए गए किसी भी अंतिम उत्पाद पर उत्पाद शुल्क के संदाय की बाबत उपयोग किए जाने की अनुज्ञा दी जाएगी और जहां किसी कारणवश ऐसा समायोजन संभव नहीं है जहां विनिर्माता को ऐसे रक्षोपायों, शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए वापसी की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे :

परंतु यह और कि घोषित शुल्क के ऐसे मुजरा की वापसी अनुज्ञात नहीं की जाएगी यदि विनिर्माता सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (वापसी) नियम, 1971 के अधीन अनुज्ञात वापसी का लाभ उठाता है या ऐसे शुल्क के संबंध में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 के अधीन शुल्क की रिबेट का दावा करता है।

4. इस अधिसूचना के उपबंध ऐसे किसी विनिर्माता (संयुक्त मिल से भिन्न) को लागू नहीं होंगे जो उक्त निवेशों की बाबत और ऐसे उक्त निवेशों की बाबत जो उक्त अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त किए जाते हैं, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57 ख या 57 ठ के अधीन जारी की गई अधिसूचना के अधीन किसी मुजरा का उपभोग करता है।

5. किसी संयुक्त मिल की बाबत इस अधिसूचना के उपबंध केवल ऐसी अप्रसंस्कृत फैब्रिकों से विनिर्मित प्रसंस्कृत फैब्रिकों को, जो उसी संयुक्त मिल में व्यूतित नहीं है को लागू होंगे।

6. जहां अंतिम उत्पादों को, ऐसे अंतिम उत्पादों के निकासी के समय, यथास्थिति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क या अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के संदाय के बिना चोरी छिपे ही हटा दिया जाता है वहां इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट कोई बात, ऐसे अंतिम उत्पादों की बाबत भी लागू नहीं होगी यदि ऐसे अंतिम उत्पादों पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का संदाय, ऐसे हटाये जाने के पश्चात् कर दिया जाता है।

7. इस अधिसूचना के उपबंध उन अंतिम उत्पादों को लागू नहीं होंगे जिन पर, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क या अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के संदाय से बचने के आशय से कपट, दुरभिसंधि, या किसी साशय गलत कथन या तथ्यों को छिपाकर या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के या उसके अधीन बनाए गए नियमों के किसी उपबंध के उल्लंघन में उद्ग्रहीत या संदत्त नहीं की गई है या कम उद्ग्रहीत या कम संदत्त की गई है या गलत तौर पर प्राप्त की गई है।

8. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, घोषित निवेशों की बाबत संदत्त की गई घोषित शुल्क समझी जाएगी और—

(क) इसमें घोषित कपास के अंतिम उत्पादों पर (जिसमें कोई अन्य टैक्सटाइल सामग्री अंतर्विष्ट नहीं है), तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के 50 प्रतिशत;

(ख) उपखंड (क) में विनिर्दिष्ट उत्पादों से भिन्न अंतिम उत्पादों पर तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के 60 प्रतिशत की दर से संगणित राशि के लिए—

(i) 2 जून, 1998 को किसी बहुस्थानीय संयुक्त मिल के प्रसंस्करण कारखाने में स्टॉक में पड़े हुए अंतिम उत्पादों ; या

(ii) 2 जून, 1998 को किसी बहुस्थानीय संयुक्त मिल के प्रसंस्करण कारखाने में स्टॉक में पड़े हुए अप्रसंस्कृत या अर्द्ध-प्रसंस्कृत फैब्रिकों से विनिर्मित अंतिम उत्पादों;

की निकासी के समय घोषित शुल्क का मुजरा अनुज्ञात किया जाएगा :

परंतु इस पैरा के अधीन, जहां उक्त बहुस्थानीय संयुक्त मिल के प्रसंस्करण कारखाने में किसी अन्य नियम या अधिसूचना के अधीन उक्त निवेशों की बाबत मुजरा ले लिया गया है वहां कोई मुजरा नहीं लिया जाएगा।

9. इस अधिसूचना के उपबंध किसी स्वतंत्र प्रसंस्करणकर्ता को अर्थात् ऐसा विनिर्माणकर्ता जो विद्युत की सहायता से फैब्रिकों के प्रसंस्करण में प्राथमिक रूप से लगा हुआ है और जिसके पास उसके कारखाने में (जिसके अंतर्गत सयंत्र और उपस्कर हैं) विद्युत या वाष्प की सहायता से तप्त वायु स्टैंटर में तप्तस्थापन या शुष्कन के लिए सुविधा है और जिसका शीर्ष संख्या 52.07, 52.08, 52.09, 54.06, 54.07, 55.11, 55.12, 55.13 या 55.14 के अंतर्गत आने वाले अंतिम उत्पादों या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के शीर्ष संख्या या उपशीर्ष संख्या 58.08, 58.02, 5806.10, 5806.40, 6001.12, 6001.22, 6001.92, 6001.20, 6002.30, 6002.43 या 6002.93 के अंतर्गत आने वाले सूत या मानव निर्मित फाइबरों के प्रसंस्कृत टैक्सटाइल फैब्रिकों की बाबत 10 दिसम्बर, 1998 को या उसके पश्चात् सूत की कताई या फैब्रिकों के व्यूतन या बुनाई में प्राथमिक रूप से किसी कारखाने में कोई स्वामित्व हित नहीं है और उसमें सारवान रूप से लगे हुए हैं, लागू नहीं होंगे।

10. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2000 से ही प्रभावी होगी।

स्पष्टीकरण I. यह स्पष्ट किया जाता है कि भले ही घोषित निवेशों का अंतिम उत्पादों के किसी विनिर्माणकर्ता द्वारा प्रत्यक्षतः उपयोग किया जाता हो, घोषित शुल्क का मुजरा, ऐसे घोषित निवेशों पर संदत्त शुल्क की वास्तविक राशि के होते हुए भी, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट राशि के समतुल्य समझा जाएगा और घोषित शुल्क के मुजरा के लिए विनिर्माणकर्ता को अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण II. इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “संयुक्त मिल” से कोई ऐसा विनिर्माणकर्ता अभिप्रेत है जो विद्युत की सहायता से उसी कारखाने के भीतर फैब्रिकों के व्यूतन या बुनाई या किरोशिया संबंधी कार्य के साथ-साथ फैब्रिकों के प्रसंस्करण में लगा हुआ है जिसके अंतर्गत कोई बहुस्थानीय संयुक्त मिल अर्थात् कोई पब्लिक लिमिटेड कंपनी है जो विद्युत की सहायता से उसी पब्लिक लिमिटेड कंपनी के स्वामित्वाधीन एक या एक से अधिक कारखानों में फैब्रिकों के व्यूतन या बुनाई या किरोशिया संबंधी कार्य सहित फैब्रिकों के प्रसंस्करण में लगा हुआ है।

स्पष्टीकरण III. शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि इस अधिसूचना के उपबंध वहां लागू नहीं होंगे जहां प्रसंस्कृत फैब्रिक ही अगले प्रसंस्करण के लिए निवेश के रूप में उपयोग किया जाता है।

स्पष्टीकरण IV. शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि पैरा 4 के उपबंध किसी ऐसे विनिर्माणकर्ता को लागू नहीं होंगे जो उक्त निवेशों की बाबत, जहां उक्त घोषित निवेश, उक्त अंतिम उत्पादों से भिन्न, अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में उपयोग किए जाते हैं, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57ख के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना के अधीन किसी मुजरा की सुविधा का उपयोग करता है।

[फा. सं. बी.-4/4/2000-टी.आर.यू.]

संजीव सचदेवा, उप-सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 28/2000-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 299 (E).— In exercise of the powers conferred by rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, hereby declares the following inputs (hereinafter referred to as the “declared inputs”) and final products falling within the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), namely:-

S.No.	Inputs	Final products
(1)	Goods falling within heading No. 51.05, 51.06, 51.07, 52.05, 52.06, 53.06, 53.07, 53.08, 54.02, 54.03, 54.04, 54.05, 55.01, 55.02, 55.03, 55.04, 55.05, 55.06, 55.07, 55.09, 55.10, 56.04, 56.05 or 56.06 of the said First Schedule.	The following goods manufactured by a composite mill, namely:- (i) Processed fabrics falling under Chapters 52 (except sub-heading Nos. 5207.10, 5208.10 and 5209.10), 54 (except sub-heading Nos. 5406.10 and 5407.10) or 55 (except sub-heading Nos. 5511.10, 5512.10, 5513.10 and 5514.10); or (ii) Fabrics of cotton or man-made fibres, whether or not processed, falling under heading Nos. 58.01, 58.02, 58.06 (except sub-heading No. 5806.20), 60.01, 60.02 (except sub-heading No. 6002.10) of the said First Schedule.
(2)	(i) Goods falling within heading No. 51.05, 51.06, 51.07, 52.05, 52.06, 53.06, 53.07, 53.08, 54.02, 54.03, 54.04, 54.05, 55.01, 55.02, 55.03, 55.04, 55.05, 55.06, 55.07, 55.09, 55.10, 56.04, 56.05 or 56.06 of the said First Schedule; (ii) Dyes, chemicals, consumables, packaging materials falling within the said First Schedule.	The following goods manufactured by a manufacturer other than a composite mill, namely:- (i) Processed fabrics falling under Chapters 52 (except sub-heading nos. 5207.10, 5208.10 and 5209.10), 54 (except sub-heading Nos. 5406.10 and 5407.10) or 55 (except sub-heading Nos. 5511.10, 5512.10, 5513.10 and 5514.10); or (ii) Fabrics of cotton or man-made fibres, whether or not processed, falling under heading Nos. 58.01, 58.02, 58.06 (except sub-heading No. 5806.20), 60.01, 60.02 (except sub-heading No. 6002.10) of the said First Schedule.
(3)	Goods falling within heading Nos. 52.05 or 52.06 of the said First Schedule	The following goods manufactured by a manufacturer other than a composite mill, namely:- (a) Gauze falling under heading No. 58.03 of the said First Schedule; (b) Book binding cloth falling under sub-heading No. 5901.10 of the said First Schedule.

2. The Central Government further declares that -

- (i) the duty of excise under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);
- (ii) the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1965 (51 of 1975); or
- (iii) the additional duty of excise under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978),

(hereinafter referred to as the declared duty) shall be deemed to have been paid on the declared inputs and the same,-

- (i) in case of a composite mill, shall be equivalent to the amount calculated at the rate of -
 - (a) 40 per cent. of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) read with any notification for the time being in force, on the final products of cotton (not containing any other textile material) declared herein;
 - (b) 50 per cent of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with any notification for the time being in force, on the final products other than those specified in sub-clause (a),
- (ii) in case of a manufacturer other than a composite mill, shall be equivalent to the amount calculated at the rate of -
 - (a) 50 per cent. of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) read with any notification for the time being in force, on the final products of cotton (not containing any other textile material) declared herein;
 - (b) 60 per cent of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with any notification for the time being in force, on the final products other than those specified in sub-clause (a),

and credit of the declared duty so deemed to have been paid shall be allowed to the manufacturer of the final products, without production of documents evidencing payment of duty on the said inputs, at the time of clearance of the said final products.

3. The credit of declared duty allowed in respect of the said inputs shall be utilized only towards payment of duty of excise leviable under the said Central Excise Act, on the said final products:

Provided that the credit of declared duty in respect of the inputs used in the final products cleared for export under bond shall be allowed to be utilized towards payment of duty of excise on any final products cleared for home consumption or for export on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, conditions and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette.

Provided further that no such refund of declared duty shall be allowed if the manufacturer avails of drawback allowed under the Customs and Central Excise Duties (Drawback) Rules, 1971 or claims rebate of duty under rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, in respect of such duty.

4. The provisions of this notification shall not apply to a manufacturer (other than a composite mill) who avails any credit, under rule 57AB of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the said inputs and the said inputs are used in the manufacture of the said final products.

5. In respect of a composite mill, the provisions of this notification shall apply only to processed fabrics manufactured from unprocessed fabrics not woven in the same composite mill.

6. Where the final products have been removed clandestinely without payment of duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), or as the case may be, the additional duty leviable under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), at the time of clearance of such final products, nothing contained in this notification shall apply in respect of such final products even if the duty of excise leviable on such final products is paid after such removal.

7. The provisions of this notification shall not apply to final products on which duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), or as the case may be, the additional duty leviable under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), has not been levied or paid or has been short-levied or short paid or erroneously refunded by reason of fraud, collusion or any wilful misstatement or suppression of facts, or contravention of any provisions of the Central Excise Act or of the rules made thereunder with intent to evade payment of duty.

8. Notwithstanding anything contained in this notification, the declared duty in respect of the declared inputs shall be deemed to have been paid and the credit of the declared duty shall be allowed for an amount calculated at the rate of -

- (a) 50 per cent. of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) read with any notification for the time being in force, on the final products of cotton (not containing any other textile material) declared herein;
- (b) 60 per cent of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with any notification for the time being in force, on the final products other than those specified in sub-clause (a),
at the time of clearance of -
 - (i) final products lying in stock in the processing factory of a multi-locational composite mill as on the 2nd day of June, 1998; or
 - (ii) final products, manufactured from unprocessed or semi-processed fabrics lying in stock in the processing factory of a multi-locational composite mill as on the 2nd day of June, 1998:

Provided that no credit under this paragraph shall be taken where the processing factory of the said multi-locational composite mill has taken credit in respect of the said inputs under any other rule or notification.

9. The provisions of this notification shall not apply to an independent processor, i.e., a manufacturer who is engaged primarily in the processing of fabrics with the aid of power and who also has the facility in his factory (including plant and equipment) for carrying out heat-setting or drying, with the aid of power or steam in a hot-air stenter and who has no proprietary interest in any factory primarily and substantially engaged in the spinning of yarn or weaving or knitting of fabrics, on or after the 10th December, 1998, in respect of final products falling under heading Nos. 52.07, 52.08, 52.09, 54.06, 54.07, 55.11, 55.12, 55.13 or 55.14, or processed textile fabrics of cotton or man-made fibres, falling under heading Nos. or sub-heading Nos. 58.01, 58.02, 5806.10, 5806.40, 6001.12, 6001.22, 6001.92, 6002.20, 6002.30, 6002.43 or 6002.93, of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

10. This notification shall come into effect on and from the 1st day of April, 2000.

Explanation I.- It is clarified that even if the declared inputs are used directly by a manufacturer of final products the credit of the declared duty shall, notwithstanding the actual amount of duty paid on such declared inputs, be deemed to be equivalent to the amount specified in this notification and the credit of the declared duty shall be allowed to such manufacturer.

Explanation II.- For the purposes of this notification, "Composite mill" means a manufacturer who is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with weaving or knitting or crocheting of fabrics within the same factory and includes a multi-locational composite mill, i.e., a public limited company which is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with weaving or knitting or crocheting of fabrics in one or more factories owned by the same public limited company.

Explanation III.- For removal of doubts, it is clarified that the provisions of this notification shall not apply where processed fabric itself is used as an input for further processing.

Explanation IV.- For the removal of doubts, it is clarified that the provisions of paragraph 4 shall not apply to a manufacturer who avails of any credit, under rule 57AB of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the declared inputs where the said declared inputs are used in manufacture of final products other than the said final products.

[F. No. B-4/4/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 29/2000-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी)

सा.का.नि. 300(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कट द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित निवेशों और अंतिम उत्पादों की घोषणा करती है, अर्थात् :—

क्रम. सं.	निवेश	अंतिम उत्पाद
1.	उपशीर्ष सं. 7211.11, 7211.19, 7211.30, 7211.52, 7211.59, 7211.60, 7211.92, 7211.99, 7213.90, 7214.90, 7215.90, 7216.10 और 7216.90 के अंतर्गत आने वाले अमिश्रातु इस्पात के तप्त पुनर्वैलित उत्पाद जिन पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3क के अधीन उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया है।	उक्त पहली अनुसूची के अधीन आने वाले सभी माल।
2.	उपशीर्ष सं. 7206.90 और 7207.90 के अंतर्गत आने वाले अमिश्रातु इस्पात के पिण्ड और बिलेट जिन पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3क के अधीन उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया है।	उक्त पहली अनुसूची के अधीन आने वाले सभी माल।

2. केन्द्रीय सरकार यह और घोषणा करती है कि इसमें घोषित निवेशों पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) के अधीन उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया है समझा जाएगा (जिसे इसमें इसके पश्चात् समझा गया शुल्क कहा गया है और वह उक्त निवेशों के साथ बीजक में विनिर्माता द्वारा यथाघोषित कीमत के बराबर प्रतिशत की दर पर संगणित रकम के बराबर होगी) जिसमें इसमें इसके पश्चात् बीजक कीमत कहा गया है और इस प्रकार अवधारित समझे गए शुल्क का प्रत्यय अंतिम उत्पादों के विनिर्माता को अनुज्ञात किया जाएगा।

3. उक्त निवेशों की बाबत अनुज्ञात समझी गई शुल्क के प्रत्यय का उपयोग केवल उक्त अंतिम उत्पादों पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क संदाय के मद्दे ही किया जाएगा :

परन्तु यह कि बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए निकास किए गए निवेशों की बाबत समझी गई शुल्क के प्रत्यय का उपयोग घरेलू उपभोग के लिए निकास किए गए किसी अंतिम उत्पाद पर शुल्क के संदाय के मद्दे या शुल्क के संदाय पर निर्यात के लिए अनुज्ञात किया जाएगा और जहां किसी कारण से ऐसा समायोजन संभव न हो वहां ऐसे रक्षोपायों, शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में विनिर्दिष्ट की जाएं विनिर्माता को प्रतिदाय अनुज्ञात किया जाएगा :

परन्तु यह और कि समझे गए शुल्क के प्रत्यय का ऐसा प्रतिदाय अनुज्ञात किया जाएगा यदि विनिर्माता ऐसे शुल्क की बाबत सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (वापसी) नियम, 1971 के अधीन अनुज्ञात वापसी प्राप्त करता है या नियम 12 के अधीन शुल्क के रिबेट का दावा करता है।

4. इस अधिसूचना के उपबंध केवल उन निवेशों को लागू होंगे जिन्हें अंतिम उत्पादों के विनिर्माता द्वारा सीधे ही बीजक के अधीन उक्त निवेशों के विनिर्माता के कारखाने से यह घोषणा करते हुए प्राप्त किया गया हो कि ऐसे निवेशों पर उक्त अधिनियम की धारा 3क के उपबंधों के अधीन समुचित उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया है।

5. इस अधिसूचना के उपबंध ऐसे निवेशों पर वहां लागू नहीं होंगे जहां उक्त निवेशों के विनिर्माता ने उसके कारखाने से निकासी के समय जारी किए गए दस्तावेजों में उक्त निवेशों की बीजक कीमत सही घोषणा न की हो।

6. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2000 से ही प्रवृत्त होगी और 30 अप्रैल, 2000 तक जिसमें उक्त तारीख भी सम्मिलित है प्रभावी रहेगी।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए “बीजक कीमत” से वह कीमत अभिप्रेत है जो निवेशों के विनिर्माता द्वारा प्रभाषित और उक्त निवेशों को सम्मिलित करते हुए बीजक में उपदर्शित है और जिसके लिए संदाय अंतिम उत्पादों के विनिर्माता द्वारा सीधे ही उक्त निवेशों के विनिर्माता को उसके बैंक खाते पर निकाले गए चैक द्वारा या बैंक ड्राफ्ट द्वारा या बैंक के चैक द्वारा किया जाता है।

[फा. सं. बी-4/5/2000 टी.आर.]

संजीव सचदेवा, उप. सच.

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 29/2000-Central Excise (N T)

G.S.R. 300 (E).- In exercise of the powers conferred by rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, hereby declares the following inputs and the final products falling within the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5of 1986), namely:-

S. No.	Inputs	Final Products
1.	Hot re-rolled products of non-alloy steel falling under sub-heading Nos. 7211.11, 7211.19, 7211.30, 7211.52, 7211.59, 7211.60, 7211.92, 7211.99, 7213.90, 7214.90, 7215.90, 7216.10 and 7216.90 on which duty of excise has been paid under section 3A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944)	All goods falling within the said First Schedule.
2.	Ingots and billets of non-alloy steel, falling under sub-heading Nos. 7206.90 and 7207.90, on which the duty of excise is paid under section 3A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944).	All goods falling within the said First Schedule.

2. The Central Government further declares that the duty of excise under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as said Act,) shall be deemed to have been paid (hereinafter referred to as deemed duty), on the inputs declared herein and the same shall be equivalent to the amount calculated at the rate of twelve per cent. of the price, as declared by the manufacturer in the invoice accompanying the said inputs (hereinafter referred to as invoice price), and credit of the deemed duty so determined shall be allowed to the manufacturer of the final products.

3. The credit of deemed duty allowed in respect of the said inputs shall be utilized only towards payment of duty of excise leviable under the said Central Excise Act on the said final products.

Provided that the credit of deemed duty in respect of inputs cleared for export under bond shall be allowed to be utilized towards payment of duty of excise on any final products cleared for home consumption or for export on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, conditions, and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette.

Provided further that no such refund of credit of deemed duty shall be allowed if the manufacturer avails of drawback allowed under the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971, or claims rebate of duty under rule 12, in respect of such duty.

4. The provisions of this notification shall apply to only those inputs which have been received directly by the manufacturer of the final products from the factory of the manufacturer of the said inputs under the cover of an invoice declaring that the appropriate duty of excise has been paid on such inputs under the provisions of section 3A of the said Act.

5. The provisions of this notification shall not apply to inputs where the manufacturer of the said inputs has not declared the invoice price of the said inputs correctly in the documents issued at the time of their clearance from his factory.

6. This notification shall come into effect on and from the 1st day of April, 2000 and shall remain effective upto and inclusive of the 30th day of April, 2000.

Explanation.- For the purpose of this notification, "invoice price" means the price charged by the manufacturer of inputs and indicated in the invoice accompanying the said inputs, the payment for which is made directly by the manufacturer of the final products to the manufacturer of the said inputs by cheque drawn on his own bank account or by bank draft or by bankers' cheque.

[F.No B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 30/2000-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी)

सा.का.नि. 301(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 57ड द्वारा प्रदत्त शक्ति में का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची में आने वाले निम्नलिखित निवेशों और तैयार उत्पादों की घोषणा करती है, अर्थात् :—

निवेश	तैयार उत्पाद
अध्याय 52.54 या 55 के अन्तर्गत आने वाले प्रसंस्कृत टेक्सटाइल वस्त्र या सूती प्रसंस्कृत टेक्सटाइल वस्त्र या उक्त पहल अनुसूची के शीर्ष सं. या उप शीर्ष सं. 58.01, 58.02, 5806.10, 5806.40, 6001.12, 6001.22, 6001.92, 6002.20, 6002.30, 6002.43 या 6002.93 के अन्तर्गत आने वाले हस्तनिर्मित फाईबर और जिन पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3क के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संदत्त कर दिया गया है।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 59 के अन्तर्गत आने वाले सभी माल।

2. केन्द्रीय सरकार यह और घोषणा करती है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उत्पाद शुल्क, उसमें घोषित निवेशों पर (इसे इसमें इसके पश्चात् समझा गया उत्पाद शुल्क कहा गया है) शुल्क संदत्त किया हुआ समझा जाएगा और उस पर ऐसा निवेश एक रुपया प्रति वर्ग मीटर होगा और इस प्रकार अवधारित समझा गया शुल्क का प्रत्यय तैयार उत्पादों के विनिर्माता को अनुज्ञात किया जाएगा।

3. (1) उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अधीन उत्पाद शुल्क की बाबत अनुज्ञात समझे गए शुल्क का प्रत्यय तैयार किए गए उत्पादों के संबंध में उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के संदाय के लिए ही प्रयुक्त किया जाएगा, और प्रत्यय के किसी भाग को नकद या चैक द्वारा वापस नहीं किया जाएगा।

(2) उक्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम के अधीन उत्पाद शुल्क की बाबत अनुज्ञात समझा गया शुल्क या प्रत्यय तैयार उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के संदाय के लिए ही प्रयुक्त किया जाएगा और प्रत्यय के किसी भाग को नकद या चैक द्वारा वापस नहीं किया जाएगा।

4. इस अधिसूचना के उपबंध केवल उन निवेशों को लागू होंगे, जिन्हें किसी बीजक के अन्तर्गत उल्लिखित निवेशों के विनिर्माता के कारखाने से तैयार उत्पादों के विनिर्माता द्वारा यह घोषणा करते हुए कि समुचित उत्पाद शुल्क उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 3क के उपबंधों के अन्तर्गत ऐसे निवेशों पर संदत्त कर दिया गया है, सीधे प्राप्त किया जाता है।

5. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2000 से ही प्रभावी होगी।

[फा. सं. बी-4/4/2000 टीआरयु]

संजीव सचदेवा, उप सचिव

95801/2000-6

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 30/2000-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 301 (E).— In exercise of the powers conferred by rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, the Central government hereby declares the following inputs and the final products falling within the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), namely:—

Inputs	Final products
Processed textile fabrics falling under Chapters 52, 54 or 55, or processed textile fabrics of cotton or man-made fibres falling under heading Nos. or sub-heading Nos. 58.01, 58.02, 5806.10, 5806.40, 6001.12, 6001.22, 6001.92, 6002.20, 6002.30, 6002.43 or 6002.93, of the said First Schedule and on which duty of excise has been paid under section 3A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944)	All goods falling under Chapter 59 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

2. The Central Government further declares that the duties of excise under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), shall be deemed to have been paid (hereinafter referred to as deemed duty) on the inputs declared herein and the same shall be one rupee each per square meter of such inputs, and credit of the deemed duty so determined shall be allowed to the manufacturer of the final products.

3. (1) The credit of deemed duty allowed in respect of the duty of excise under the said Central Excise Act, shall be utilised only towards payment of the duty of excise leviable under the said Central Excise Act on the final products, and no part of the credit allowed shall be refunded in cash or by cheque.

(2) The credit of deemed duty allowed in respect of the duty of excise under the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, shall be utilised only towards payment of the duty of excise leviable under the said Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act on the final products, and no part of the credit allowed shall be refunded in cash or by cheque.

4. The provisions of this notification shall apply only to those inputs which have been received directly by the manufacturer of the final products from the factory of the manufacturer of the said inputs under the cover of an invoice declaring that the appropriate duty of excise has been paid on such inputs under the provisions of section 3A of the said Central Excise Act.

5. This notification shall come into effect on and from the 1st day of April, 2000.

[F.No.B-4/4/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 31/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 302 (अ).—केन्द्रीय सरकार, उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का निम्न और संशोधन करती है, अर्थात् अब :—

1. (1) ये नियम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (पांचवां संशोधन) नियम, 2000 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम 1 अप्रैल, 2000 से प्रभावी होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 9 के उपनियम (1) में,—

(क) “जब तक कि उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का, ऐसे स्थान पर और ऐसी रीति से जो इन नियमों में विहित है या जिसकी आयुक्त द्वारा अपेक्षा की जाए संदाय नहीं कर दिया जाता और उसे समुचित प्ररूप में आवेदन प्रस्तुत करने और उस प्ररूप पर समुचित अधिकारी की अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् ही हटाया जाएगा, अन्यथा नहीं शब्दों के स्थान पर

“उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का, यथास्थिति, समुचित प्ररूप में प्रत्येक आवेदन पर या प्रत्येक गेट पास पर अवधारण और उपदर्शन तथा ऐसे स्थान पर ऐसी रीति में जो इन नियमों में विहित हो या आयुक्त द्वारा जो भी अपेक्षा की जाए, समुचित अधिकारी को प्रस्तुत नहीं कर दिया जाता है और प्ररूप पर समुचित अधिकारी की अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् ही हटाया जाएगा, अन्यथा नहीं” शब्द रखे जाएंगे।

चौथे परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“विनिर्माता उससे अनुलग्न ऐसे स्थान या परिसरों पर या आयुक्त द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित, नियत या रजिस्ट्रीकृत भण्डारगृह या भाण्डागार पर चालू खाता रखेगा और ऐसे चालू खाते के विकलन द्वारा शुल्क दायित्व का उन्मोचन करेगा।”

3. नियम 49 में और उसके शीर्ष उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम और शीर्ष रखा जाएगा, अर्थात् :—

“कारखाना परिसरों से या भण्डारकरण के किसी अनुमोदित स्थान से हटाए जाने पर पाक्षिक आधार पर शुल्क का संदाय—(1)(क) प्रत्येक विनिर्माता नियम 9 के अधीन विनिर्दिष्ट स्थान या परिसरों से या नियम 47 के अधीन आयुक्त द्वारा अनुमोदित किसी भण्डारगृह या भण्डारकरण के अन्य से मास के पहले पक्ष के दौरान की गई उत्पाद-शुल्क्य मालों की निकासी की बाबत उक्त मास की 16 तारीख तक और मास के दूसरे पक्ष के दौरान की गई निकासियों की बाबत उस मास के अंतिम कार्य दिवस तक उसके शुल्क दायित्व का उन्मोचन करेगा।”

परन्तु वित्तीय वर्ष में निकासियों के मूल पर आधारित किसी अधिसूचना के अधीन छूट का उपभोग करने वाला कोई विनिर्माता कलेंडर मास के दौरान निकासियों की बाबत उसके शुल्क दायित्व का उन्मोचन उत्तरवर्ती मास की पन्द्रह तारीख तक कर सकेगा।

(ख) कोई विनिर्माता उसके शुल्क दायित्व का उन्मोचन चालू खाते में विकलन द्वारा या सेनवेट प्रत्यय के उपभोग द्वारा निम्नलिखित तरीक से कर सकेगा, अर्थात् :—

(1) विनिर्माता उत्पाद, शुल्क्य माल जिनकी निकासी की जानी हो, पर उत्पाद शुल्क का आकलन, प्रत्येक निकासी के लिये, करेगा एवं प्रत्येक निकासी से सम्बद्ध सभी प्रविष्टियाँ फार्म आर. जी.-1, जिसमें “शुल्क की अदायगी पर” के स्थान में “देय शुल्क की रकम” रखे जायेंगे, में करेगा ;

(ii) विनिर्माता प्रत्येक गेट पास या बीजक जो नियम 52 या 52क के तहत जारी किये गये हैं, में देय शुल्क की रकम का उल्लेख करेगा।

(ग.) उत्पाद शुल्क इन नियमों के प्रयोजन के लिये शुल्क्य मालों पर संदत्त की गई समझी जायेंगी और ऐसे शुल्क का प्रत्यय जो किसी नियम द्वारा विहित की जाए अनुज्ञेय होगा।

(घ) यदि विनिर्माता संदेय शुल्क की रकम का शोध्य तारीख तक संदाय करने में असफल रहता है तो वह बकाया रकम के साथ बकाया रकम पर चौबीस प्रतिशत वार्षिक की दर से उस अवधि के लिए ब्याज के साथ जो शोध्य तारीख के पश्चात् पहले दिन से आरंभ होकर बकाया रकम के वास्तविक भुगतान की तारीख तक होगा, संदाय के लिए दायी होगा।

(ङ) यदि विनिर्माता निम्नलिखित कारणों में से किसी कारण से चूक करता है, अर्थात् :—

(i) किसी एक किस्त की पूर्ण संदाय का उस तारीख से तीस दिवस की अवधि से परे उन्मोचन किया जाता है जिसको किसी वित्तीय वर्ष में किस्त शोध्य थी, या

- (11) उस शोध्य तारीख का, जिसको किस्तों का पूर्ण संदाय किया जाना है, किसी वित्तीय वर्ष में तीसरी बार उल्लेघन किया जाता है, चाहे उत्तरवर्तन में हो या अन्यथा,

तब विनिर्माता, इस उपनियम के अधीन शोध्यों को किस्तों में संदाय करने की सुविधा इस संबंध में समुचित अधिकारी द्वारा पारित आदेश के समुचित किए जाने की तारीख से आरंभ होकर दो मास की अवधि के लिए खो देगा और इस अवधि के दौरान विनिर्माता से खंड (ख) में निर्दिष्ट चालू खातों में विकलन द्वारा प्रत्येक पारेषण के लिए उत्पाद-शुल्क का संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी और ऐसी किसी चूक की दशा में यह समझा जाएगा कि ऐसे मालों की निकासी शुल्क के संदाय के बिना की गई है और इन नियमों में यथा उपबंधित, परिणाम और शास्तियां भुगतनी होंगी।”;

4. उक्त नियमों के नियम 52 में, “यह साक्ष्यपेश किए जाने पर कि इस धन राशि का खजाने में संदाय कर दिया गया है या आयुक्त के खाते में भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक में संदाय कर दिया गया है या वह धनराशि मनीआर्डर द्वारा मुख्य लेखा अधिकारी को भेज दी गई है” शब्दों का लोप किया जायगा :

5. उक्त नियमों के नियम 52क के उपनियम (3) के उपखंड (ii) में “(नियम 57छ और नियम 57न के अधीन प्रत्यय प्राप्त करने के उपयोग के लिए)” कोष्ठक, शब्द, अंक और अक्षरों का लोप किया जाएगा।

6. उक्त नियमों के नियम 52क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

“52क. नियम 57क ड के अधीन बीज के जारी करने की प्रक्रिया (1) प्रत्येक ऐमा व्यक्ति, जो नियम 57 कड के अधीन बीजक जारी करता है नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकृत होगा।”

(2) इस नियम के प्रयोजनों के लिए रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस नियम में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति कहा गया है) प्ररूप आर. जी. 23घ में भण्डार लेखा बनाएगा।

(3) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति आर. जी. 23घ रजिस्टर बनाएगा और दिन के अंत में उत्पाद-शुल्क मालों की प्राप्ति और निकाले जाने की उसमें प्रविष्टि करेगा, और :—

(क) किसी प्रविष्टि करते समय वह तारीख लिखेगा जब प्रविष्टि की गई है;

(ख) इन नियमों के अधीन अपेक्षित रीति में पुस्तक, लेखा या रजिस्टर सही रूप में रखेगा और किसी त्रुटि को ठीक करने के सिवाय उसमें किसी प्रविष्टि को रद्द, नष्ट या परिवर्तित नहीं करेगा ;

(ग) अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के लिए पुस्तक, लेखा या रजिस्टर तैयार रखेगा और किसी अधिकारी को उसका निरीक्षण अनुज्ञात करेगा तथा उसमें ऐसे टिप्पण लिखेगा या उससे कोई उद्धरण लेगा जो वह अधिकारी ठीक समझे ;

(घ) किसी समय यदि अधिकारी द्वारा मांग की जाय तो खंड (ग) में निर्दिष्ट अभिलेख उचित अधिकारी को भेजेगा।

(4) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, ऐसे ब्योरो सहित बीजक जारी करेगा जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड या आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(5) (क) बीजक चार प्रतियों में तैयार किया जाएगा। बीजक की प्रतियों पर ऊपरी, भाग पर स्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित रीति से चिह्नांकन किया जाएगा, अर्थात् :—

(i) मूल प्रति “मूल क्रेता के लिए” रूप में चिह्नित की जाएगी और यह प्रति क्रेता को दी जाएगी।

(ii) दूसरी प्रति “दूसरी प्रति परिवाहक के लिए” रूप में चिह्नित की जाएगी।

(iii) तीसरी प्रति “तीसरी प्रति केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के लिए” रूप में चिह्नांकित की जाएगी और यह प्रति समुचित अधिकारी को भेजी जाएगी।

(iv) चौथी प्रति “चौथी प्रति रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के लिए” के रूप में चिह्नांकित की जाएगी और यह प्रति अपने अभिलेख के लिए रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के द्वारा धारित की जाएगी।

(ख) पहले प्रक्रम व्यवहारी और दूसरी प्रक्रम व्यवहारी द्वारा जारी किए गए बीजकों की प्रतियां भी ऊपरी भाग पर स्पष्ट बड़े अक्षरों क्रमशः “पहले प्रक्रम व्यवहारी” और “दूसरे प्रक्रम व्यवहारी” के रूप में चिह्नांकित की जाएंगी।

(ग) आयातित माल के बारे में पहले एवं दूसरे प्रक्रम व्यवहारी तथा अन्य माल के बारे में दूसरे प्रक्रम व्यवहारी द्वारा जारी किए गए बीजक समुचित अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अधिप्रमाणित किए जाएंगे।

(6) (i) प्रत्येक बीजक पर प्रति वर्ष 1 अप्रैल को प्रारंभ हो कर संपूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए क्रमवार प्रक्रम संख्यांक मुद्रित होगा।

- (ii) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, किसी एक समय केवल एक बीजक पुस्तक का ही उपयोग करेगा जब तक लिखित में आयुक्त द्वारा अन्यथा अनुज्ञात न किया जाए।
- (7) (i) बीजक पुस्तक की प्रत्येक पर्णी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा उपयोग किए जाने से पहले स्वामी या कार्यवाहक भागीदार या प्रबंध निदेशक या कंपनी सचिव द्वारा अधिप्रमाणित की जाएगी।
- (ii) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, उपयोग किए जाने से पहले बीजक की क्रम संख्या, यथास्थिति, सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त या उप केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त को सूचित करेगा और ऐसी संसूचना की प्राप्ति की तारीख अभिस्वीकृति उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा धारित की जाएगी।
- (8) (i) कंप्यूटरजनित अभिलेखों और बीजकों का उपयोग अनुज्ञेय होगा।
- (ii) जब बीजक कंप्यूटर के माध्यम से तैयार किए जाएं तब रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, आगामी तिमाही, में उपयोग किए जाने के लिए सम्भावित क्रम संख्या की सूचना देगा और जैसे ही वे समाप्त हो जाते हैं, पुनरीक्षित सूचना भेजी जाएगी।
- (iii) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, उपयोग किए गए सॉफ्टवेयर के ब्यौरे भी भेजेगा, जिसमें यथास्थिति, सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त या उप केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त को जानकारी के लिए प्रयुक्त रूप विधान भी है।
- (9) (i) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, परेषण की बाबत केवल एक बीजक जारी करेगा, यदि उक्त परेषण में समाविष्ट सभी पैकेज किसी एक समय में एक लाट में भेजे जाते हैं।
- (ii) यदि कोई परेषण दो या अधिक लाटों में विभाजित किया जाता है और ऐसे प्रत्येक परेषण या तो उसी दिन या भिन्न-भिन्न तारीखों में पृथक रूप से भेजा जाता है तो प्रत्येक लाट की बाबत पृथक बीजक बनाया जाएगा।
- (iii) उस दशा में जब परेषण ऐसे एक यान, जलयान, पशु झुण्ड या प्रवहन के अन्य साधन से अधिक पर लादा जाता है जो एक साथ यात्रा नहीं करते हैं किन्तु पृथक-पृथक रूप से या अंतरालों पर यात्रा करते हैं तो पृथक बीजक जारी किए जाएंगे।

(10) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति प्रत्येक मास की समाप्ति से सात दिवस के भीतर रेंज अधीक्षक को, उक्त रेंज अधीक्षक द्वारा सत्यापन के प्रयोजनों के लिए ऐसी मासिक विवरणी और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करेगा जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड या आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

(11) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति इस नियम के अधीन विनिर्दिष्ट दस्तावेज पांच वर्ष की अवधि के लिए परिरक्षित करेगा और मांग किए जाने पर उन्हें अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(12) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, प्रत्येक मास की समाप्ति से सात दिवस के भीतर नियम 52क या 57कअ के अधीन जारी की गई बीजकों की दूसरी प्रतियां ऐसे उत्पाद-शुल्क अधीक्षक को प्रस्तुत करेगा, जिसके पास ऐसा व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत है, और—

(क) जहां बीजक में दर्शित समस्त मात्रा का विक्रय कर दिया गया है वहां

“सेनवेट प्रत्यय अनुज्ञात—पुनः उपयोग के लिए नहीं” टिप्पणी से विरूपित करेगा ; और

(ख) जहां समस्त मात्रा का विक्रय नहीं किया गया है वहां रेंज अधीक्षक, बीजक के पृष्ठ पर प्राप्त मात्रा, जारी की गई मात्रा, निवेश प्रक्रम प्रत्यय (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त शुल्क कहा गया है) के रूप में उपलब्ध शुल्क की कुल रकम, उक्त शुल्क की रकम जिसके लिए बीजक जारी किया गया है और शेष मात्रा और बीजक जारी करने के लिए उपलब्ध उक्त शुल्क की बाकी रकम से संबंधित ब्यौरे पृष्ठांकित करेगा”;

7.8. उक्त नियमों के नियम 96यथ के उपनियम (7) में,—

(i) “सात दिन से अन्यून और अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन प्रशमन का दावा करने का इच्छुक है तो ऐसा प्रशमन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त के पारित आदेश द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर “पन्द्रह दिन से अन्यून और संयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त के पारित आदेश द्वारा अनुज्ञात किया जायगा” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(ii) खंड (क) और (ख) के स्थान पर निम्नलिखित रखे जाएंगे अर्थात् :—

(क) उपशमन केवल ऐसे “तप्त वायु स्टेन्टर के जिस में चैंबर सम्मिलित हैं, के पूर्ण रूप से बंद करने पर ही लागू होगा, और उम दशा में नहीं जहां ऐसे स्टेन्टर में सम्मिलित किसी एक या अधिक चैंबर को बंध करना हो और स्वतंत्र प्रसंस्करणकर्ता, उस अवधि के दौरान जिसके लिए उपशमन का दावा किया गया है गैर-स्टेंटरित फैब्रिकों की निकासी नहीं करेगा और ऐसी अवधि के दौरान उसके द्वारा गैर-स्टेंटरित फैब्रिकों की कोई निकासी अधिहरण के लिए दायी होगी;

(ख) स्वतंत्र प्रसंस्करणकर्ता ऐसे बंद करने के बारे में लिखित में एस बंध करने के तारीख से कम से कम तीन दिवस पूर्व निम्नलिखित ब्यौरे देते हुए यथास्थिति उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को सूचित करेगा जिस की एक प्रति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को देगा, अर्थात् :—

(i) स्टेंटर के विनिर्माता का नाम;

(ii) स्टेंटर के क्रय की तारीख;

(iii) तप-वायु स्टेंटर स्वतंत्र टेक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता वार्षिक क्षमता अवधारण नियम, 2000 की अवधि, यथा अवधारित चैम्बरों का संख्या;

(iv) स्टेंटर की क्रम सं. या पहचान सं.,

(v) स्टेंटर को बंद करने का कारण;

(vi) उन दिनों की लगभग संख्या जिनके लिए स्टेंटर रहेगा;

(vii) वह तारीख जिस से बंद करना आशयित है"

(iii) खंड (ड) में, " उसका कारखाना" शब्दों के स्थान पर "स्टेंटर" शब्द रखी जाएगी;

(iv) खंड (ज) में "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त द्वारा अनुज्ञात" शब्दों के स्थान पर " संयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा अननुज्ञात" शब्द रखे जाएंगे;

(v) परन्तुक में, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त "शब्दों के स्थान पर संयुक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त" शब्द रखे जाएंगे;

8. उक्त नियमों के नियम 100ड के उपनियम (1) में "उत्पाद-शुल्क के संदाय के सिवाय" शब्दों के स्थान पर "नियम 49 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति के सिवाय" शब्द रखे जाएंगे;

9. उक्त नियमों के नियम 174 में खंड (i) में शब्दों अंकों एवं अक्षरों "नियम 57छ 57न जैसा मामला है", के स्थान पर शब्द, अंक एवं अक्षर "नियम 57कछ" रखे जायेंगे।

[फा०सं० बी-4/5/2000—टी.आर.यू.]

संजीव सचदेवा, उप-सचिव

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. IV डी—सीई तारीख 28 फरवरी, 1944 द्वारा प्रकाशित किये गए थे और इनका संशोधन वित्त मंत्रालय [राजस्व विभाग] अधिसूचना सं. 11/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क [एन.टी.] तारीख 1 मार्च, 2000 सा.का.नि. 203 (अ) तारीख 1 मार्च 2000, अधिसूचना सं. 21/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क [एन. टी.] तारीख 8 मार्च, 2000 एवं अधिसूचना सं. 22/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क [एन.टी.] तारीख 16 मार्च, 2000 द्वारा किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 31/2000-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 302 (E).- In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:-

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Fifth Amendment) Rules, 2000.
(2) They shall come into force on the 1st day of April, 2000.
2. In rule 9 of the Central Excise Rules, 1944 (herein after referred to as the said rules), in sub-rule (1), -
(a) for the words "excise duty leviable thereon is paid at such place and in such manner as is prescribed in these rules or as the Commissioner may require and except on presentation of an application in the proper form", the words "excise duty leviable thereon is determined and indicated on each application in the proper form or on each gate pass, as the case may be, presented to the proper officer at such place and in such manner as is prescribed in these rules or as the Commissioner may require" shall be substituted;
(b) for the fourth proviso, the following proviso shall be substituted, namely: -
"Provided also that the manufacturer shall maintain an account current at such place or premises specified in this behalf or at a storeroom or warehouse duly approved, appointed or registered, by the Commissioner, and shall discharge the duty liability by debiting such account current."
3. In rule 49 of the said rules, for the heading and sub-rule (1), the following shall be substituted, namely: -
"Payment of duty on fortnightly-basis on removal of goods from the factory premises or from an approved place of removal. - (1)(a) Every manufacturer shall discharge his duty liability in respect of clearances of excisable goods made during the first fortnight of the month, from the place or premises specified under rule 9 or from a storeroom or other place of storage approved by the Commissioner under rule 47, by the sixteenth day of that month, and in respect of clearances made during the second fortnight of the month, by the last working day of that month:

Provided that a manufacturer availing of the exemption under a notification based on value of clearances in a financial year may discharge his duty liability in respect of clearances during a calendar month, by the fifteenth day of the succeeding month.

(b) The manufacturer shall discharge his duty liability by debiting account current or utilising CENVAT credit in the following manner, namely:-

- (i) the manufacturer shall assess the duty due on the excisable goods intended to be removed, for each consignment and shall enter the particulars of such consignments in Form RG-I with the amendment in the said Form RG-I that for the words, "On payment of duty", the words "Amount of duty payable" had been substituted;
- (ii) the manufacturer shall indicate on each gate pass or invoice, issued under rule 52 or 52A, as the case may be, the amount of duty payable;

- (iii) at the end of each fortnight, the manufacturer shall determine the total amount of excise duty payable on the excisable goods removed during the fortnight, and he shall discharge the total duty liability so payable by making debit entry in the account current or by utilising CENVAT credit.

(c) The duty of excise shall be deemed to have been paid on excisable goods for the purpose of these rules, and the credit of such duty, as may be prescribed under any rule, will be permissible.

(d) If the manufacturer fails to pay the amount of duty payable by the due date, he shall be liable to pay the outstanding amount along with interest at the rate of twenty-four per cent. per annum on the outstanding amount, for the period starting with the first day after due date till the date of actual payment of the outstanding amount.

(e) If the manufacturer defaults on account of -

- (i) full payment of any one instalment is discharged beyond a period of thirty days from the date on which the instalment was due in a financial year, or
 - (ii) the due date on which full payment of instalments is to be made is violated for the third time in a financial year, whether in succession or otherwise,
- then the manufacturer shall forfeit the facility to pay the dues in instalments under this sub-rule for a period of two months, starting from the date of communication of an order passed by the proper officer in this regard and during this period the manufacturer shall be required to pay excise duty for each consignment by debit to the account current referred to in clause (b) and in the event of any failure, it will be deemed as if such goods have been cleared without payment of duty and the consequences and penalties as provided in these rules shall follow.”.

4. In rule 52 of the said rules, the words “and on production of evidence that this sum has been paid into the Treasury, or, paid to the account of the Commissioner in the Reserve Bank of India or the State Bank of India, or has been despatched to the Chief Accounts Officer by money-order” shall be omitted.

5. In rule 52A of the said rules, in sub-rule (3), in clause (ii), the brackets, words, figures and letters “(to be used for taking credit under rule 57G and rule 57T)” shall be omitted.

6. After rule 52A of the said rules, the following shall be inserted, namely:-

‘52AA. Procedure for issuing invoices under rule 57AE.-

- (1) Every person, who issues invoices under rule 57AE shall get registered under rule 174.
- (2) Every person registered for the purposes of this rule (hereafter in this section referred to as the registered person) shall maintain a stock account in Form R.G.23D.
- (3) The registered person shall maintain the R.G.23D register and at the end of the day enter therein receipt and issue of excisable goods, and shall-
 - (a) at the time of making any entry, insert the date when the entry is made;
 - (b) correctly keep such book, account or register in the manner required under these rules and shall not cancel, obliterate, or alter any entry therein, except for correction of any errors;
 - (c) keep the book, account or register ready for inspection by the officers, and shall permit any officer to inspect it and make such minute therein or take any extract therefrom, as such officer may think fit;
 - (d) at any time, if demanded by the officer, send the records referred to in clause (c), to the proper officer.

(4) The registered person shall issue an invoice containing such details as may be specified by the Central Board of Excise and Customs or the Commissioner.

(5) (a) The invoice shall be made out in quadruplicate. The copies of the invoice shall be marked at the top in bold capital letters in the following manner, namely:-

- (i) the original copy shall be marked as "ORIGINAL FOR BUYER" and that copy shall be given to the buyer;
- (ii) the duplicate copy shall be marked as "DUPLICATE FOR TRANSPORTER";
- (iii) the triplicate copy shall be marked as "TRIPLICATE FOR CENTRAL EXCISE" and that copy shall be sent to the proper officer;
- (iv) the quadruplicate copy shall be marked as "QUADRUPLICATE FOR REGISTERED PERSON" and that copy shall be retained by the registered person for his record.

(b) The copies of the invoices issued by a first stage dealer and a second stage dealer shall also be marked at the top in bold capital letters as "FIRST STAGE DEALER" and "SECOND STAGE DEALER" respectively.

(c) The invoice issued by a first stage dealer or second stage dealer in the case of imported goods and by a second stage dealer in the case of other goods, shall be duly authenticated by the proper officer.

(6) (i) Each invoice shall bear a printed serial number running for the whole financial year beginning on the 1st April of each year.

(ii) The registered person shall use only one invoice book at any one time unless otherwise permitted by the Commissioner in writing.

(7) (i) Each foil of the invoice book shall be authenticated by the owner or the working partner or the Managing Director or the Company Secretary, before being used by the registered person.

(ii) The registered person shall intimate the serial number of the invoice before being used to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise as the case may be and the dated acknowledgement of receipt of such intimation shall be retained by the said registered person.

(8) (i) It shall be permissible to use records and invoices generated through a computer.

(ii) When the invoice is generated through a computer, the registered person shall intimate the serial number likely to be used in the forthcoming quarter and as soon as the same is exhausted, a revised intimation shall be sent.

(iii) The registered person shall also send details of the software used including the format used for information of the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise as the case may be.

(9) (i) The registered person shall issue only one invoice in respect of the consignment if all the packages comprising the said consignment are dispatched in one lot at any one time.

(ii) If a consignment is split up into two or more lots and each such consignment is dispatched separately either on the same day or on different days, a separate invoice shall be made out in respect of each lot.

(iii) Separate invoice shall be issued in case where the consignment is loaded on more than one vehicle, vessel, pack animal or other means of conveyance which do not travel together but travel separately or at intervals.

(10) The registered person shall, within seven days after the close of each month, submit to the Range Superintendent, a monthly return and other documents as the Central Board of Excise and Customs or the Commissioner may specify, for the purpose of verification by the said Range Superintendent.

(11) The registered person shall preserve documents specified under this rule for a period of five years and shall, on demand, produce the same to the Officer.

(12) The registered person shall, within seven days of close of each month, submit duplicate copies of the invoices issued under rule 52A or 57AE to the Superintendent of Central Excise with whom such person is registered, and-

- (a) where the entire quantity shown in the invoice has been sold, deface the same with the remarks 'CENVAT CREDIT ALLOWED – NOT TO BE USED AGAIN'; and
- (b) where the entire quantity has not been sold, the Range Superintendent shall endorse on the back of the invoice, details relating to the quantity received, quantity issued, total amount of duty available as input stage credit (hereafter referred to as the said duty), amount of the said duty for which invoices have been issued, and the balance quantity and the balance amount of the said duty available for issuing invoices).

7. In rule 96ZQ of the said rules, in sub-rule (7),-

- (i) for the words, brackets, figures and letter "not less than seven days and wishes to claim abatement under sub-section (3) of section 3A of the Act, the abatement shall be allowed by an order passed by the Commissioner of Central Excise", the words, brackets, figures and letter "not less than fifteen days and wishes to claim abatement under sub-section (3) of section 3A of the Act, the abatement shall be allowed by an order passed by the Joint Commissioner of Central Excise" shall be substituted;
- (ii) for clauses (a) and (b), the following shall be substituted, namely:-
 - “(a) abatement shall be applicable only on the complete closure of the hot air stenter containing the chambers and not in case of closure of any one or more chambers contained in such stenter, and the independent processor shall not clear any non-stentered fabrics during the period for which abatement is claimed, and any clearance by him of non-stentered fabrics during such period shall be liable to confiscation;
 - (b) the independent processor shall inform, in writing, about such closure to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, with a copy to the Superintendent of Central Excise, at least three days prior to the date of such closure, giving the following details, namely: -
 - (i) the name of the manufacturer of the stenter;
 - (ii) the date of purchase of the stenter;
 - (iii) the number of chambers as determined under the Hot-air Stenter Independent Textile Processors Annual Capacity Determination Rules, 2000;
 - (iv) the serial number or identification no. of the stenter;
 - (v) reason for closure of the stenter;
 - (vi) approximate number of days for which the stenter shall remain closed;
 - (vii) date and time from which the closure is intended;
- (iii) in clause (e), for the words "his factory", the words "the stenter" shall be substituted;
- (iv) in clause (h), for the words "disallowed by the Commissioner of Central Excise", the words "disallowed by the Joint Commissioner of Central Excise" shall be substituted;
- (v) in the proviso, for the words "Commissioner of Central Excise", the words "Joint Commissioner of Central Excise" shall be substituted.

8. In rule 100E of the said rules, in sub-rule (1), for the words "except on payment of duty of excise", the words "except in the manner specified in sub-rule (1) of rule 49" shall be substituted.

9. In rule 174 of the said rules, in clause (i), for the words, figures and letters "rule 57G or, as the case may be rule 57T", the word, figures and letters "rule 57AE" shall be substituted.

[F No. B-4/5/2000-TRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy

Note :- The principal rules were published in the Gazette of India vide notification No. IV D-CE, dated the 28th February, 1944 and subsequently amended by Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 41/2000 - Central Excise (N.T.) dated the 1st March, 2000 vide GSR No. 203 (E) dated the 1st March, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

सं. 32/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 303(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम, 57(ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित निवेशों (जिसे इसमें इसके पश्चात् घोषित निवेश कहा गया है) और अंतिम उत्पादों को घोषित करती है, अर्थात् :—

निवेश	अंतिम उत्पाद
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के शीर्ष संख्यांक 54.02 के अन्तर्गत आने वाले पालियस्टर के संव्युलित सूत (जिसके अन्तर्गत ट्रयुस्टिड, ड्रा वाउन्डयान भी है) ।	(1) किसी संयुक्त मिल द्वारा विनिर्मित निम्नलिखित माल अर्थात् — (i) अध्याय 52.54 या 55 के अन्तर्गत आने वाली प्रसंस्कृत वस्त्र, या (ii) उक्त अनुसूची के शीर्ष संख्यांक 58.01, 58.02, 58.06. (5806.20 को छोड़कर) 60.01, 60.02 (6002.10 को छोड़कर) निर्मित फाइबरो के वस्त्र चाहे वे प्रसंस्कृत हो या न हो । (2) उक्त अनुसूची के शीर्ष संख्यांक 58.01 के अन्तर्गत आने वाले बना हुआ पाइल वस्त्र ।

2. केन्द्रीय सरकार यह भी घोषणा करती है कि घोषित निवेशों पर, जब अंतिम उत्पादों के विनिर्माताओं द्वारा क्रय किया जाता है, 18 रुपए प्रति किलोग्राम उत्पाद शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के अधीन (जिसे इसमें इसके पश्चात् घोषित शुल्क कहा गया है) संदेय किया गया समझा जाएगा और इस प्रकार संदत्त समझा गया घोषित शुल्क का प्रत्यय उक्त अंतिम उत्पादों की निकासी के समय उक्त निवेशों पर शुल्क का संदाय का साक्ष्य देने वाले दस्तावेजों के प्रस्तुत किए बिना ही अंतिम उत्पादों के विनिर्माता को अनुज्ञात किया जाएगा ।

3. उक्त निवेशों के बारे में अनुज्ञात घोषित शुल्क का प्रत्यय केवल उक्त अंतिम उत्पादों पर उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के संदाय मद्दे ही उपयोग किया जाएगा : परन्तु यह कि बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए विकास किए गए अंतिम उत्पादों में प्रयुक्त निवेशों के बारे में घोषित शुल्क का प्रत्यय शुल्क के संदाय पर घरेलू उपभोग के लिए या निर्यात के लिए विकास किए गए किसी अंतिम उत्पाद पर उत्पाद शुल्क के संदाय के मद्दे उपयोग किया जाना अनुज्ञात किया जाएगा और जहां किसी कारण से ऐसा समायोजन करना संभव न हो तो ऐसे रक्षोपयोग शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में विनिर्दिष्ट की जाएं, के अधीन रहते हुए विनिर्माता को वापसी की जाएगी :

परन्तु यह और कि घोषित शुल्क की ऐसी कोई वापसी अनुज्ञात नहीं की जाएगी यदि विनिर्माता ऐसे शुल्क के बारे में सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (शुल्क वापसी) नियम, 1971 के अधीन अनुज्ञात शुल्क वापस प्राप्त करता है या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 के अधीन शुल्क के रीबेट का दावा करता है ।

4. ऐसे अंतिम उत्पादों की निकासी के समय, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क या अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के संदाय के बिना ही अंतिम उत्पाद शुल्क छिपा कर हटा दिए जाते हैं यहां इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई बात ऐसे अंतिम उत्पादों के बारे में तब भी लागू नहीं होगी यदि ऐसे अंतिम उत्पादों पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का संदाय ऐसे हटाए जाने के पश्चात् कर दिया जाता है ।

5. इस अधिसूचना के उपबंध ऐसे अंतिम उत्पादों को लागू नहीं होंगे जिन पर, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क या अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क अधिरूपित नहीं की गई है या संदत्त नहीं की गई है या कम अधिरूपित की गई है या कम संदत्त की गई है या शुल्क के संदाय के अपवंचन के आशय से धोखा, दुष्मंथि या किसी माशयित मिथ्या कथन या तथ्यों को छिपाकर या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के किन्हीं उपबंधों का अविलंबन कर रोपपूर्ण वापसी की जाती है ।

6. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2000 से ही प्रभावी होगी ।

स्पष्टीकरण 1 :—यह स्पष्ट किया जाता है कि चाहे अंतिम उत्पादों के विनिर्माताओं द्वारा घोषित निवेशों का सीधे उपयोग किया जाता है तो भी घोषित शुल्क का प्रत्यय, ऐसे घोषित निवेशों पर संदत्त शुल्क की वास्तविक रकम में होते हुए भी, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रकम के समतुल्य समझी जाएगी और घोषित शुल्क के प्रत्यय को विनिर्माणकर्ता को अनुज्ञात किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2 :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “संयुक्त मिल” से ऐसा कोई विनिर्माता अभिप्रेत है जो उसी कारखाने के भीतर

वस्त्रों से व्युत्पन्न या बुनाई या किरोशियाकारी के साथ वस्त्रों के प्रसंस्करण में लगी हुई है और कारखाने के अन्तर्गत कोई बहुस्थानिक संयुक्त मिल, अर्थात् ऐसी पब्लिक लिमिटेड कंपनी जो उसी पब्लिक लिमिटेड के स्वामित्व के एक या अधिक कारखानों में व्युत्पन्न या बुनाई या किरोशियाकारी के साथ विद्युत की सहायता से वस्त्रों में प्रसंस्करण में लगी हुई है, भी है।

[फा. सं. बी-4/4/2000-टी. आर. यू.]

संजीव सचदेवा, उप-सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2000

No. 32/2000-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 303 (E).— In exercise of the powers conferred by rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, hereby declares the following inputs (hereinafter referred to as the 'declared inputs') and final products falling within the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), namely:-

Inputs	Final products
Texturised yarn (including draw twisted, draw wound yarn) of polyesters, falling under heading No. 54.02 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986)	(1) The following goods manufactured by a composite mill, namely:- (i) Processed fabrics falling under Chapters 52, 54 or 55; or (ii) Fabrics of cotton or man-made fibres, whether or not processed, falling under heading Nos. 58.01, 58.02, 58.06 (except 5806.20), 60.01, 60.02 (except 6002.10) of the said Schedule; or (2) Woven pile fabrics falling under heading No. 58.01 of the said Schedule.

2. The Central Government further declares that a duty of excise of Rs. 18 per kg., shall be deemed to have been paid under the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as declared duty), on the declared inputs, when purchased by a manufacturer of the final products, and credit of the declared duty so deemed to have been paid shall be allowed to the manufacturer of the final products, without production of documents evidencing payment of duty on the said inputs, at the time of clearance of the said final products.

3. The credit of declared duty allowed in respect of the said inputs shall be utilized only towards payment of duty of excise leviable under the said Central Excise Act, on the said final products:

Provided that the credit of declared duty in respect of the inputs used in the final products cleared for export under bond shall be allowed to be utilized towards payment of duty of excise on any final products cleared for home consumption or for export on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, conditions and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette.

Provided further that no such refund of declared duty shall be allowed if the manufacturer avails of drawback allowed under the Customs and Central Excise Duties (Drawback) Rules, 1971 or claims rebate of duty under rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, in respect of such duty.

4. Where the final products have been removed clandestinely without payment of duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), or as the case may be, the additional duty leviable under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), at the time of clearance of such final products, nothing contained in this notification shall apply in respect of such final products even if the duty of excise leviable on such final products is paid after such removal.

5. The provisions of this notification shall not apply to final products on which duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), or as the case may be, the additional duty leviable under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), has not been levied or paid or has been short-levied or short paid or erroneously refunded by reason of fraud, collusion or any wilful mis-

statement or suppression of facts, or contravention of any provisions of the Central Excise Act or of the rules made thereunder with intent to evade payment of duty.

6. This notification shall come into effect on and from the 1st day of April, 2000.

Explanation I.- It is clarified that even if the declared inputs are used directly by a manufacturer of products the credit of the declared duty shall, notwithstanding the actual amount of duty paid on such declared inputs, be deemed to be equivalent to the amount specified in this notification and the credit of the declared duty shall be allowed to such manufacturer.

Explanation II.- For the purposes of this notification, "Composite mill" means a manufacturer who is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with weaving or knitting or crocheting of fabrics within the same factory and includes a multi-locational composite mill, i.e., a public limited company which is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with weaving or knitting or crocheting of fabrics in one or more factories owned by the same public limited company.

[F No B-4/4/2000-IRU]

SANJEEV SACHDEVA, Dy Secy.

